UPHIN/2011/39718
(डिजिटल संस्करण)
बुन्देलखण्ड का सबसे दबंग अखबार

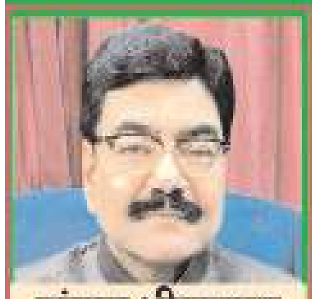

संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक
7905027565
9415055318

दैनिक यंग भारत

निष्पक्ष नज़र निर्भीक खबर

Digital Edition

यंग भारत
वेब न्यूज़
सहयोगी प्रकाशन/प्रसारण
दैनिक वास्तविक समाज वाद-लखनऊ
प्रमुख उर्दू दैनिक तामीरे नौ -लखनऊ

वर्ष-14 अंक-201 कीर्ति शेष रामेश्वर दयाल श्रीवास्तव (लम्बरदार) की स्मृति में उरई (जालौन) शनिवार 04 जुलाई 2026 youngbharatE-paper.com

उत्तर प्रदेश की प्रशासनिक व्यवस्था को मिलेगा हाईटेक आधार, योगी करेंगे नए परिसर का लोकार्पण

संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लखनऊ में शुक्रवार को डॉ. राम मनोहर लोहिया उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी के नए अत्याधुनिक परिसर का लोकार्पण करेंगे।

यह परिसर करीब 464 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से 22.5 एकड़ क्षेत्र में तैयार किया गया है और इसे प्रदेश की प्रशासनिक व्यवस्था के लिए एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। यह अकादमी प्रदेश के आईएएस, पीसीएस और अन्य प्रशासनिक सेवाओं के अधिकारियों और कर्मचारियों को आधुनिक तरीके से प्रशिक्षण देने का प्रमुख केंद्र बनेगी। यहां केवल पारंपरिक प्रशिक्षण ही नहीं, बल्कि नई तकनीकों, डिजिटल गवर्नेंस, नेतृत्व क्षमता, आपदा प्रबंधन और भविष्य की प्रशासनिक चुनौतियों से निपटने की तैयारी भी कराई जाएगी। सरकार का मानना है कि जब अधिकारी बेहतर तरीके से प्रशिक्षित होंगे तो सरकारी योजनाओं का लाभ भी लोगों तक तेजी और पारदर्शिता के साथ पहुंचेगा। करीब सात दशक पुरानी प्रशासनिक प्रशिक्षण व्यवस्था को अब आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और वैश्विक स्तर के प्रशिक्षण मानकों से जोड़ा जा रहा है। नए परिसर में

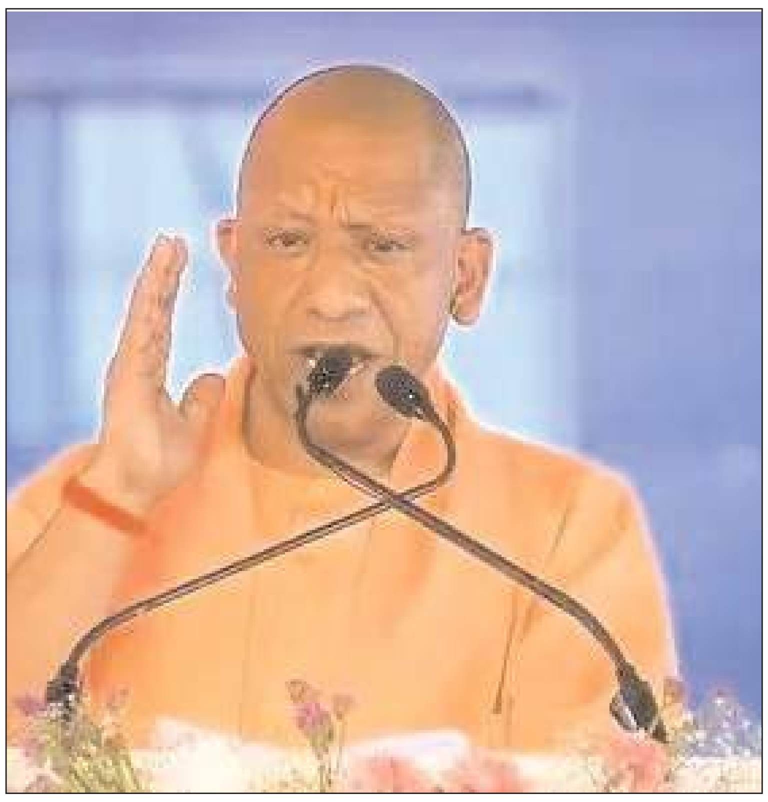

अत्याधुनिक कक्षाएं, डिजिटल सुविधाएं, स्मार्ट प्रशिक्षण प्रणाली और बेहतर संसाधन उपलब्ध कराए गए हैं, जिससे अधिकारियों की कार्यकुशलता और निर्णय लेने की क्षमता को और मजबूत किया जा सके। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'सक्षम प्रशासन और समृद्ध अन्नदाता 'विकसित उत्तर प्रदेश' की सुदृढ़ आधारशिला हैं। इसी संकल्प के साथ आज लखनऊ में आधुनिक प्रशासनिक प्रशिक्षण हेतु 464 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से 22 एकड़ से अधिक क्षेत्रफल में निर्मित डॉ. राम मनोहर लोहिया उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी के अत्याधुनिक नवीन परिसर का लोकार्पण होगा। उन्होंने बताया, 'इसके साथ ही, 9वें 'उत्तर प्रदेश आम महोत्सव 2026' का शुभारंभ और इसकी स्मारिका का विमोचन तथा प्रगतिशील बागवानों का सम्मान किया जाएगा। सुशासन और कृषि समृद्धि का यह संगम उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा को नई गति प्रदान करेगा।

'राम मंदिर ट्रस्ट सरकार के प्रति जवाबदेह नहीं, उसे खुद फैसले लेने का हक', आरटीआई से बड़ा खुलासा

(यंग भारत न्यूज)

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर दान चोरी मामले में हर रोज नए खुलासे हो रहे हैं. अब इसे लेकर एक नई बात सामने आई है. वह यह कि राम मंदिर ट्रस्ट सरकार के प्रति जवाबदेह नहीं है जी हां, राम मंदिर परिसर का प्रबंधन करने वाला श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट न तो केंद्र सरकार और न ही यूपी सरकार के प्रति जवाबदेह है. गृह मंत्रालय ने पिछले साल 20 फरवरी को केंद्रीय सूचना आयोग को बताया था कि सभी फैसले ट्रस्ट की ओर से आंतरिक रूप से लिए जाते हैं और इसका अधिकार पूरी तरह से इसके स्थायी ट्रस्टियों के पास होता है. यह बात आरटीआई के जवाब से सामने आई है.

दरअसल, सीआईसी यानी केंद्रीय सूचना आयोग के सामने गृह मंत्रालय की तरफ़ से दी गई जानकारी के अनुसार, अयोध्या में राम मंदिर परिसर का प्रबंधन करने वाला 'श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट' न तो केंद्र सरकार और न ही उत्तर प्रदेश सरकार के प्रति जवाबदेह है और उसे अपने फैसले खुद लेने का अधिकार है. यह स्पष्टीकरण राम मंदिर से कथित तौर पर दान की चोरी को लेकर चल रहे विवाद के बीच अहम हो गया है. इस मामले में ट्रस्ट के कुछ अधिकारियों को अरेस्ट किया गया है और दूसरों से पूछताछ की जा रही है. पिछले साल फरवरी में केंद्रीय सूचना आयोग के सामने अपनी बात रखते हुए गृह मंत्रालय ने कहा कि 'श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट' एक स्वतंत्र ट्रस्ट है, जिसका मालिकाना हक, नियंत्रण या वित्तपोषण केंद्र या राज्य सरकारों के पास नहीं है. मंत्रालय के अनुसार, इस ट्रस्ट का गठन केवल सुप्रीम कोर्ट के 9 नवंबर, 2019 के अयोध्या फ़ैसले का पालन करने के लिए किया गया था. मंत्रालय ने बताया कि केंद्र की भूमिका केवल सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार ट्रस्ट बनाने तक ही सीमित थी. मंत्रालय ने कहा कि न तो केंद्र सरकार और न ही उत्तर प्रदेश सरकार का ट्रस्ट पर कोई वित्तीय, प्रशासनिक या परिचालन संबंधी नियंत्रण है. वे ट्रस्ट को कोई फंड भी नहीं देते हैं और ट्रस्ट को अपने कामकाज और गतिविधियों के बारे में स्वतंत्र फ़ैसले लेने का पूरा अधिकार है. यह मामला तब केंद्रीय सूचना आयोग के पास पहुंचा जब एक आरटीआई आवेदक ने राम मंदिर ट्रस्ट से संबंधित जानकारी मांगी. आरटीआई डालने वाले आवेदक का तर्क था कि ट्रस्ट को सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत सार्वजनिक प्राधिकरण यानी पब्लिक अथॉरिटी माना जाना चाहिए क्योंकि इसका गठन सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद भारत सरकार द्वारा किया गया था और इसके शुरुआती ज़्यादातर ट्रस्टियों को सरकार द्वारा मंज़ूर योजना के तहत नामित किया गया था. लगभग 70 एकड़ अधिग्रहित जमीन भी ट्रस्ट को ट्रांसफर की गई थी. हालांकि, गृह मंत्रालय और ट्रस्ट ने तर्क दिया कि इन बातों से सरकारी मालिकाना हक या नियंत्रण साबित नहीं होता है. जानकारी की समीक्षा करने के बाद, केंद्रीय सूचना आयोग ने माना कि 'श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट' आरटीआई अधिनियम की धारा 2(एच) के तहत पब्लिक अथॉरिटी की श्रेणी में नहीं आता है. आयोग ने पाया कि ट्रस्ट संसद या राज्य विधानसभा द्वारा बनाए गए कानून के बजाय सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के तहत बनाया गया था. ट्रस्ट पर सरकार का कोई खास या व्यापक नियंत्रण नहीं है और न ही इसे सरकार से कोई बड़ी फंडिंग मिलती है. नतीजतन, सीआईसी ने फैसला सुनाया कि ट्रस्ट आरटीआई एक्ट के तहत जानकारी देने के लिए बाध्य नहीं है.

सुर्खियां.............

कालपी के तरीबुलदा से घर मे जेबरातो सहित अन्य सामान की हुई थी चोरी, पुलिस ने नही लिखा था मुकदमा, कोर्ट के आदेश से दर्ज हुई एफआईआर

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई। स्थानीय नगर के मुहल्ला तरीबुल्दा में बीते महीने पहले हुई एक चोरी की घटना में न्यायालय के आदेश पर कोतवाली कालपी में मुकदमा दर्ज कराया गया है। पुलिस मामले की विवेचना करने में जुट गई है। उक्त प्रकरण को लेकर वादी देवीदीन पुत्र छोटेलाल निवासी मोहल्ला तरीबुल्दा थाना कालपी ने न्यायालय के आदेश पर मुकदमा दर्ज कराते हुए अवगत कराया है कि प्रार्थी बाहर मजदूरी करने गया था।

पुलिस ने चार जुआरियो को दबोचा

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई। पुलिस उपाधीक्षक राजेश कमल के निर्देश पर ग्राम स्वरूपपुर मुसमरिया रोड पर इलाकाई पुलिस टीम के द्वारा चार लोगों को मौके पर जुआ खेलते गिरफ्तार कर चालान किया गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार थाना तुर्की के उपनिरीक्षक सुरेश चंद्र हमराही सिपाही अनीस अहमद को गस्त के दौरान सूचना मिली कि स्वरूपपुर से मुसमरिया जाने वाले कच्चे रास्ते किनारे ग्राम स्वरूपपुर में खेत में कुछ लोग जुआ खेल रहे हैं ?। मुखबिर की सूचना पर विश्वास कर मुखबिर के बताए रास्ते पर स्वरूप पर से 100 मीटर पहले खेत में गोला बनाकर बैठे जुआ खेला जा रहा था।

रेलवे ट्रैक पर ट्रैन से कट गया युवक, पुलिस शिनाख्त में जुटी

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई। शुक्रवार की सुबह कालपी स्थित कांशीराम कालोनी के सामने रेलवे ट्रैक में एक व्यक्ति का शव पड़ा मिला। कालपी कोतवाली पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया तथा शव को कब्जे मे लेकर आवश्यक कार्यवाही शुरू कर दी गई है। प्राप्त जानकारी में बताया गया है कि इण्टरसीटी एक्सप्रेस में यात्रा कर रहे यात्रियों ने जीआरपी पुलिस चौकी कालपी को रेलवे ट्रैक पर शव पड़े होने की सूचना मिलते ही जीआरपी इंचार्ज संजना सिंह पुलिस बल के साथ पहुंचीं

सरकारी स्कूल में सपा विधायक ने मनाया अखिलेश यादव का जन्मदिन, बीजेपी के विरोध पर हेडमास्टर निलंबित

(यंग भारत न्यूज)

कानपुरः उत्तर प्रदेश के कानपुर में परमट स्थित एक प्राथमिक विद्यालय में समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का जन्मदिन मनाए जाने के बाद बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। कार्यक्रम में सपा विधायक अमिताभ बाजपेयी के पहुंचने और स्कूल परिसर में केक काटने को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कड़ा विरोध जताया। मामले के तूल पकड़ने पर बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) ने स्कूल के हेडमास्टर नवीन कुमार त्रिपाठी को निलंबित कर दिया है।

जानकारी के अनुसार, 1 जुलाई को सपा विधायक अमिताभ बाजपेयी बिना पूर्व सूचना के परमट स्थित प्राथमिक विद्यालय पहुंचे। आरोप है कि स्कूल परिसर में सपा का बैनर लगाया गया और अखिलेश यादव के जन्मदिन के अवसर पर केक काटा गया। साथ ही बच्चों के बीच कार्यक्रम आयोजित कर ड्रेस और अन्य सामग्री भी वितरित की गई। घटना की जानकारी भाजपा नेताओं तक पहुंचने के बाद विवाद बढ़ गया। इसके बाद शिक्षा विभाग ने मामले की जांच शुरू की। बेसिक शिक्षा अधिकारी हरिओम सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया हेडमास्टर नवीन कुमार त्रिपाठी की भूमिका पर सवाल पाए गए हैं। उन्हें निलंबित कर खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय से संबद्ध कर दिया गया है। पूरे मामले की विस्तृत जांच के लिए समिति गठित की गई है। हेडमास्टर नवीन कुमार त्रिपाठी ने अपने लिखित स्पष्टीकरण में कहा कि सांसद रमेश अवस्थी ने पहले स्कूल में बच्चों को ड्रेस वितरण कार्यक्रम कराने की बात कही थी, जिसे टेट परीक्षा के कारण 6 जुलाई तक स्थगित कर दिया गया था। उन्होंने यह भी कहा कि 1 जुलाई को विधायक अमिताभ बाजपेयी बिना पूर्व सूचना के स्कूल पहुंचे, अखिलेश यादव का चित्र लगाया, केक काटा और बच्चों को ड्रेस वितरित की। हेडमास्टर के अनुसार, स्कूल में बच्चों के साथ ऐसे सामाजिक कार्यक्रम पहले भी होते रहे हैं और उनकी कोई गलत मंशा नहीं थी। भाजपा सांसद रमेश अवस्थी ने कहा कि उन्होंने केवल बच्चों की ड्रेस का माप लेने के लिए स्कूल आने की बात कही थी। उनका कहना है कि ड्रेस वितरण कार्यक्रम बाद में एक साथ आयोजित किया जाना था और जन्मदिन कार्यक्रम से उनका कोई संबंध नहीं है। सपा विधायक अमिताभ बाजपेयी ने कहा कि यदि मामला केवल श्रेय लेने का है, तो भाजपा ने भी उनके प्रस्तावित कार्यक्रम से पहले अपना कार्यक्रम तय किया था। उन्होंने दावा किया कि वह पिछले 10 वर्षों से अपना और अखिलेश यादव का जन्मदिन सरकारी स्कूलों में मनाते रहे हैं तथा बच्चों को ड्रेस और शैक्षणिक सामग्री वितरित करते रहे हैं। बाजपेयी ने कहा कि उन्होंने केक जरूर काटा, लेकिन किसी बच्चे के साथ नहीं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि निलंबित हेडमास्टर के पत्र में सांसद रमेश अवस्थी से नकद राशि मिलने का उल्लेख है, जिस पर भी प्रशासन को जवाब देना चाहिए। भाजपा नेता सुरेश अवस्थी ने सपा पर सरकारी संस्थानों का राजनीतिक इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों को राजनीतिक गतिविधियों का मंच नहीं बनाया जा सकता। उन्होंने दावा किया कि बच्चों के हित में धनराशि उपलब्ध कराई गई थी, जबकि सपा विधायक पर तीखी टिप्पणी करते हुए कई गंभीर आरोप भी लगाए। फिलहाल शिक्षा विभाग की जांच जारी है। जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। मामले ने कानपुर की राजनीति में नया विवाद खड़ा कर दिया है।

मेडिकल में क्रिटिकल केयर बिल्डिंग बनकर तैयार, विशेषज्ञ डॉक्टरो का अभाव, आउटसोर्सिंग भर्ती के लिए रुपया लेकर घूम रहे हैं बेरोजगार?

आउटसोर्सिंग में भर्ती होने के लिए रुपया लेकर सत्ताधारी नेताओं के दरवाजे घूम रहे हैं नोजवान

- कार्यवाहक सीएमएस की कार्यशैली और प्रशासनिक भूमिका पूर्व से ही है संदिग्ध
- उपकरण, विशेषज्ञ डॉक्टर और स्टाफ की कमी से जनता को नहीं मिल पा रहा लाभ
- क्रिटिकल केयर बिल्डिंग तैयार, फिर भी मरीजों को इंतजार; भर्ती, राजनीति और प्रशासनिक खींचतान के बीच उलझा मेडिकल कॉलेज
- दो प्राचार्यों के होने से अटक रहा है मेडिकल कॉलेज का कार्य

(प्रधान सम्पादक-
संजय श्रीवास्तव)
(यंग भारत न्यूज)

उरई। करोड़ों रुपये की लागत से मेडिकल कॉलेज उरई में निर्मित 50 बेड की अत्याधुनिक क्रिटिकल केयर बिल्डिंग पूरी तरह तैयार होने के बावजूद अब तक आम जनता के लिए शुरू नहीं हो सकी है। जिले के लोगों को उम्मीद थी कि इस सुविधा के शुरू होने से गंभीर मरीजों को कानपुर और झांसी रेफर करने की मजबूरी काफी हद तक समाप्त हो जाएगी, लेकिन राजनीतिक खींचतान, प्रशासनिक विवाद और आउटसोर्सिंग भर्ती को लेकर उठ रहे सवालों के कारण इसका संचालन अधर में लटका हुआ है।

सूत्रों के अनुसार, क्रिटिकल केयर यूनिट में होने वाली आउटसोर्सिंग भर्ती को लेकर सत्ताधारी दल से जुड़े कुछ नेताओं के करीबी सक्रिय हैं। चर्चा है कि भर्ती दिलाने के नाम पर एक से दो लाख रुपये तक की कथित वसूली की जा रही है। इससे पहले हुई आउटसोर्सिंग भर्तियों में भी सुविधा शुल्क लेकर नियुक्तियां कराने के आरोप लगते रहे हैं। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। सूत्रों का यह भी दावा है कि पहले भर्ती किए गए कुछ कर्मचारी नियमित रूप से ड्यूटी पर नहीं आते और कुछ के शैक्षणिक प्रमाणपत्रों को लेकर भी सवाल उठाए जाते रहे हैं। आरोप है कि राजनीतिक दबाव के चलते मेडिकल कॉलेज प्रशासन इन मामलों में सख्त कार्रवाई नहीं कर पा रहा है। कार्यवाहक सीएमएस डॉ. प्रशांत की भूमिका को लेकर भी चर्चाएं हैं। आरोप लगाए जा रहे हैं कि प्रशासनिक फैसलों और आउटसोर्सिंग व्यवस्था में उनकी सक्रिय भूमिका रही है, हालांकि इस संबंध में उनका पक्ष सामने नहीं आया है। बताया जाता है कि क्रिटिकल केयर बिल्डिंग की आधारशिला तत्कालीन कार्यवाहक प्रधानाचार्य डॉ. राजेश कुमार मौर्य के कार्यकाल में रखी गई थी। सूत्रों का दावा है कि बाद में बजट और प्रशासनिक नियंत्रण को लेकर विवाद बढ़ा और उनका तबादला हो गया। वर्ष 2024 में शासन द्वारा डॉ. अरविंद त्रिवेदी को प्रधानाचार्य नियुक्त किया गया। उनके कार्यकाल में निर्माण कार्य आगे बढ़ा, लेकिन बाद में उनका भी तबादला हो गया। वर्तमान में मेडिकल कॉलेज का संचालन प्रधानाचार्य डॉ. महेंद्र कुमार की देखरेख में हो रहा है। मेडिकल कॉलेज से जुड़े लोगों का कहना है कि प्रधानाचार्य और अन्य अधिकारियों के बीच लंबे समय से चल रही खींचतान का सीधा असर संस्थान की कार्यप्रणाली पर पड़ा है। सूत्रों का आरोप है कि कर्मचारियों की मनमानी, समय पर कार्य न करना, अनुशासनहीनता तथा प्रशासनिक निर्णयों में राजनीतिक हस्तक्षेप जैसी शिकायतें लगातार सामने आती रही हैं। इमरजेंसी में हुए विवाद के बाद भी जिन अधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल उठे, उनके बजाय तत्कालीन प्रधानाचार्य का तबादला होने से भी कई तरह की चर्चाएं हैं। हालांकि भवन का निर्माण पूरा हो चुका है, लेकिन इसके संचालन के लिए आवश्यक आधुनिक चिकित्सा उपकरण, प्रशिक्षित पैरामेडिकल स्टाफ, नर्सिंग कर्मी और विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति अभी शेष है। जब तक यह व्यवस्थाएं पूरी नहीं होतीं, तब तक क्रिटिकल केयर यूनिट आम मरीजों के लिए शुरू होना संभव नहीं माना जा रहा। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि यह सुविधा जल्द शुरू हो जाए तो जालौन ही नहीं, बल्कि आसपास के जिलों के गंभीर मरीजों को भी बड़ी राहत मिलेगी। वहीं मेडिकल कॉलेज में आज तक रेडियोलॉजिस्ट, न्यूरोसर्जन, गैस्ट्रो सर्जन सहित कई विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति नहीं हो सकी है। लोगों का आरोप है कि लगातार राजनीतिक हस्तक्षेप और प्रशासनिक अस्थिरता के कारण बड़े विशेषज्ञ चिकित्सक यहां आने से बचते हैं। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि करोड़ों रुपये की लागत से तैयार क्रिटिकल केयर बिल्डिंग आखिर कब शुरू होगी और कब जालौन की जनता को इसका वास्तविक लाभ मिलेगा। फिलहाल भवन तैयार है, लेकिन उसके उद्घाटन, उपकरणों की उपलब्धता, विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियुक्ति और आउटसोर्सिंग भर्ती को लेकर उठ रहे सवालों के बीच यह महत्वाकांक्षी परियोजना अभी भी इंतजार में खड़ी है।

हत्या की घटना में कोंच कोतवाली ने नही लिखी थी रिपोर्ट, 4 माह बाद पिता के आवेदन पर कोर्ट ने दर्ज कराई एफआईआर

-आरोपी पक्ष से मिलकर कोतवाली पुलिस ने हत्या और लाश बरामदगी के बाबजूद दर्ज नही की थी रिपोर्ट

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। लगभग चार माह पूर्व युवक का शव पेड़ पर लटका मिला था। मृतक के पिता ने इस मामले में हत्या का आरोप लगाया था। कोतवाली में प्राथमिकी दर्ज न होने पर मृतक के पिता ने न्यायालय की शरण ली। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ अपहरण व हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कोतवाली क्षेत्र के ग्राम एदलपुर निवासी मुकेश कुमार ने न्यायालय को बताया कि उसके गांव के ही पवन पुत्र रामसेवक की मृत्यु दिनांक 21 दिसंबर 2025 को ट्रैक्टर से गिरकर हो गई थी। इस दुर्घटना में मृतक के पिता रामसेवक उनके बेटे अजीत को दोषी मानते हैं, इसी को लेकर वह उसके परिवार से रंजिश मानने लगे। आरोप लगाया कि रामसेवक ने उसी समय गांव में कहा था कि वह तीन माह के अंदर उनके घर से भी शव उठवाकर मानेंगे। बीती 16 मार्च को उनका बेटा विक्की शाम करीब छह बजे खेत पर मूंग देखने के लिए गया था। जब वह रात आठ बजे तक लौटकर घर नहीं पहुंचा तो उसकी तलाश की। रात में उसका कहीं पता नहीं चला। सुबह जब और लोगों से जानकारी की तो पता चला कि कुछ लोगों ने रात करीब आठ बजे गांव के ही अर्जुन, रामनरेश को उन्होंने विक्की को अपने साथ बाइक से ऐदलपुरा से दहगुवां की ओर ले जाते देखा था। उसी सुबह जानकारी मिली कि उनके बेटे का शव बड़े लला गुर्जर के खेत में नीम के पेड़ पर फांसी फंदे पर लटका हुआ मिला। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव का पंचनामा भरकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया था। आरोप लगाया कि उन लोगों ने विक्की का अपहरण कर उसकी हत्या कर दी और उसे आत्महत्या दर्शाने के लिए शव को पेड़ से लटका दिया। अंतिम संस्कार के बाद जब वह कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए पहुंचे तो उनकी रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई। जिसके बाद उसने न्यायालय की शरण ली है। न्यायालय के आदेश पर शुक्रवार को पुलिस ने आरोपी अर्जुन, रामसेवक, रामनरेश, संतोष व रविंद्र के खिलाफ अपहरण व हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर ली है। कोतवाल हरिशंकर चंद ने बताया कि न्यायालय के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है, जो उचित होगा कार्रवाई की जाएगी।

मंडलीय ग्रामोद्योग प्रशिक्षण केन्द्र के सेवानिवृत्त प्राचार्य को दी गई भावभीनी विदाई

(यंग भारत न्यूज)

कालपी -उरई। मंडलीय ग्रामोद्योग प्रशिक्षण केन्द्र कालपी में 6 वर्षो निभा चुके सेवानिवृत्त प्राचार्य शिशुपाल गोयल के सम्मान में गरिमामय विदाई समारोह आयोजित किया गया। समारोह की अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य बिपिन कुमार सिंह ,कर्मचारियों एवं प्रशिक्षुओं ने उनके कार्यकाल की सराहना करते हुये फ़ूल माला तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर विदाई दी।

कार्यक्रम में केंद्र के प्रशिक्षक विवेक कुमार गुप्ता ने कहा कि निवर्तमान प्राचार्य शिशुपाल गोयल ने अपने सेवाकाल के दौरान संस्थान में अनुशासन, गुणवत्ता पूर्ण प्रशिक्षण तथा प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने अपने सरल व्यवहार, ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा एवं कार्य के प्रति समर्पण से सभी का विश्वास और सम्मान अर्जित किया। उनके कार्यकाल में संस्थान ने कई उपलब्धियां हासिल कीं। जिसको हमेशा याद रखा जायेगा। समारोह में प्राचार्य शिशुपाल सिंह गोयल,विवेक कुमार गुप्ता,राम सिंह राजपूत,माया देवी ,सहकर्मियों ने उन्हें माला पहनाकर व स्मृति चिह्न एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। कर्मचारियों ने अनुभव साझा करते हुए कहा कि उनका मार्गदर्शन सदैव प्रेरणादायी रहेगा। समारोह के अंत में निवर्तमान प्राचार्य शिशुपाल गोयल ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति आभार जताते हुए कहा कि उन्हें अपने सेवाकाल में जनता तथा सभी का भरपूर सहयोग और स्नेह मिला, जिसे वह जीवन भर याद रखेंगे। नवांगतुक प्राचार्य विपिन कुमार सिंह ने उपस्थित लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया है।

33 केवी पावर हाउस की बीसीबी में चूहा घुसने से हुआ फाल्ट

पूरे नगर की पूरी रात बिजली रही गुल,भीषण गर्मी में बिलबिलाते रहे लोग

(यंग भारत न्यूज)

कोंच एक चूहे ने पूरे नगर को पूरी रात अंधेरे में रखा ।नगर में 33 केवी पावर हाउस में स्थापित बीसीबी मशीन की इनकमिंग में चूहा घुस जाने से तकनीकी खराबी उत्पन्न हो गई, जिसके कारण नगर के फर्स्ट और सेकेंड फीडर सहित कुछ अन्य क्षेत्रों की विद्युत आपूर्ति पूरी रात यनि कई घंटे तक बाधित रही। अचानक आई इस तकनीकी समस्या के चलते उपभोक्ताओं को रात से लेकर सुबह तक बिजली संकट का सामना करना पड़ा। सूचना मिलते ही विद्युत विभाग के एसडीओ धर्मेन्द्र कुमार, जेई अमन खान,जेई निशांत शर्मा अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और मशीन की मरम्मत का कार्य शुरू कराया ।बताया गया कि फॉल्ट को दूर करने के लिए कर्मचारियों ने पूरी रात लगातार मेहनत की। तकनीकी खराबी के कारण रात करीब 1 बजे से लेकर सुबह 10 बजे तक बिजली आपूर्ति प्रभावित रही। जिससे इस भीषण गर्मी में लोग बेहाल रहे। वही जेई अमन खान ने बताया कि मशीन को दुरुस्त कर लिया गया है और विधुत आपूर्ति पूरी तरह बहाल कर दी गयी है ।मरम्मत कार्य में लाइनमैन धीरज, अरविंद बाबा, राजकुमार, सूरज, प्रदीप, के.के., विक्रम, दिनेश, सुनील, कन्हैया तथा मीटर रीडर मनीष दुबे ने पूरी रात अथक मेहनत कर फॉल्ट को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। एसडीओ धर्मेन्द्र कुमार ने बताया कि उपभोक्ताओं को निर्बाध विधुत आपूर्ती उपलब्ध कराने के लिए विभाग की पूरी टीम लगातार मौके पर जुटी रही। विभाग ने उपभोक्ताओं से सहयोग और धैर्य बनाए रखने की अपील की है।

निशा माहेश्वरी बनी मातृशक्ति प्रकोष्ठ की जिला प्रभारी

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। विश्व हिंदू महासंघ के मातृशक्ति प्रकोष्ठ में संगठन विस्तार के तहत निशा माहेश्वरी को जिला प्रभारी मनोनीत किया गया है। उनके मनोनयन पर समर्थकों एवं संगठन के पदाधिकारियों ने खुशी जताते हुए मिष्ठान वितरण किया।

विश्व हिंदू महासंघ उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष भिखारी प्रजापति की संस्तुति पर मातृशक्ति प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष गंगा धाकड़, प्रदेश महामंत्री संगीता मिश्रा एवं क्षेत्रीय अध्यक्ष नीलम गिरि ने निशा माहेश्वरी को जिले का प्रभारी मनोनीत किया है। मनोनयन के बाद निशा माहेश्वरी ने संगठन के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका निर्वहन पूरी निष्ठा और ईमानदारी से करेंगी। संगठन की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने, महिलाओं को संगठन से जोड़ने, सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को मजबूत करने के लिए सक्रिय रूप से कार्य किया जाएगा। उनके जिला प्रभारी बनने की सूचना मिलते ही समर्थकों ने उन्हें बधाई दी और मिष्ठान वितरित कर खुशी का इजहार किया।

नये नायब तहसीलदार की नियुक्त होने से क्षेत्रों का हुआ आवंटन

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई। उपजिलाधिकारी अमित शेखर ने तहसील प्रशासन में राजस्व कार्यों को अधिक प्रभावी एवं सुचारु ढंग से संचालित करने के उद्देश्य से तीनों नायब तहसीलदारों के कार्यक्षेत्रों का आवंटन कर दिया है। नवांगतुक नायब तहसीलदार प्रिंस बाबू के कार्यभार ग्रहण करने के बाद यह व्यवस्था लागू की गई है?। जिससे लंबित राजस्व प्रकरणों के निस्तारण में तेजी आने की उम्मीद है।

उपजिलाधिकारी अमित शेखर ने बताया कि तहसील क्षेत्र के तीनों नायब तहसीलदारों को अलग-अलग क्षेत्र आवंटित किए गए हैं। मुकेश कुमार को कालपी क्षेत्र, चंद्र मोहन शुक्ला को कदौरा क्षेत्र तथा नवांगतुक नायब तहसीलदार प्रिंस बाबू को चुर्खी क्षेत्र का दायित्व सौंपा गया है। समझा जाता है कि बढ़ते राजस्व कार्यों को देखते हुए नायब तहसीलदारों के बीच कार्यों का संतुलित बंटवारा किया गया है। नवांगतुक नायब तहसीलदार प्रिंस बाबू की नियुक्ति से प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। एसडीएम ने सभी नायब तहसीलदारों को अपने-अपने आवंटित क्षेत्रों में नियमित निरीक्षण करने, लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करने तथा आमजन की शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। नायब तहसीलदारों के क्षेत्रों के नए आवंटन के बाद तहसील क्षेत्र में राजस्व कार्यों में गति आने और फरियादियों को समय पर राहत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

अचानक कुत्ता आ जाने से अनियंत्रित हुई बाइक

-बाइक सवार पिता पुत्र गंभीर रूप से घायल, जिला अस्पताल रेफर

(यंग भारत न्यूज)

कोंच तहसील क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर एक सड़क हादसे में पिता-पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ जब उनकी बाइक के सामने अचानक एक कुत्ता आ गया। कुत्ते को बचाने के प्रयास में बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई, जिससे दोनों को गंभीर चोटें आईं। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से उन्हें बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया ।प्राप्त जानकारी के अनुसार,क्षेत्र के ग्राम गोराकरनपुर निवासी सीताराम उम्र 50 वर्ष पुत्र रामदास अपने पिता रामदास उम्र 70 वर्ष पुत्र गुमान के साथ कोंच नगर से घर गृहस्थी का सामान लेकर बाइक से वापस अपने गांव लौट रहे थे ।जैसे ही उनकी बाइक कुंवरपुरा गांव के पास पहुंची ही थे कि अचानक एक कुत्ता बाइक के सामने आ गया। कुत्ते को बचाने के प्रयास में चालक का संतुलन बिगड़ गया और बाइक सड़क पर फिसलकर गिर गई।

हादसे में पिता-पुत्र दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद आसपास के ग्रामीण और राहगीर मौके पर पहुंचे और तत्काल दोनों घायलो को संभाला और एंबुलेंस की सहायता से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोंच पहुंचाया। सीएचसी में चिकित्सकों ने दोनों का प्राथमिक उपचार किया, लेकिन सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें होने के कारण उनकी हालत चिंताजनक बताई गई। इसके बाद डॉक्टरों ने दोनों को बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल उरई रेफर कर दिया ।इस घटना के बाद स्थानीय लोगों ने सड़क पर अचानक आवारा पशुओं और कुत्तों के आ जाने की समस्या पर चिंता जताई। उनका कहना है कि क्षेत्र में इस तरह की घटनाएं लगातार हो रही हैं, जिससे वाहन चालकों को हमेशा दुर्घटना का खतरा बना रहता है। लोगों ने संबंधित विभाग से आवारा पशुओं और कुत्तों पर प्रभावी नियंत्रण की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह के हादसों को रोका जा सके।

घर के बाहर लगे हैंडपंप से पानी भर रही बुज़ुर्ग महिला को सांप ने काटा

-महिला सीएससी पहुंची

(यंग भारत न्यूज)

कोंच कोतवाली क्षेत्र के मुहल्ला जवाहर नगर में शुक्रवार दोपहर एक बुजुर्ग महिला को घर के बाहर हैंडपंप से पानी भरते समय सांप ने काट लिया। घटना के बाद परिजनों में अफरा-तफरी मच गई। आनन-फानन में महिला को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उसका इलाज किया गया ।जानकारी के अनुसार मुहल्ला जवाहर नगर निवासी जुवैदा उम्र 64 पत्नी स्वर्गीय इस्माइल, अपने घर के बाहर लगे हैंडपंप से पानी भर रही थीं। इसी दौरान अचानक वहां मौजूद एक सांप ने उसके हाथ में काट लिया। सांप के काटते ही महिला ने शोर मचाया, जिस पर परिजन और आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए ।परिजनों ने बिना देर किए जुवैदा को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने उनका प्राथमिक उपचार किया। सीएचसी के डॉ रामकरन गौर ने बताया महिला की हालत पर लगातार नजर रखी जा रही है ।फिलहाल उसकी हालत स्थिर बनी हुई है।

कालपी के तरीबुलदा से घर मे जेबरातो सहित अन्य सामान की हुई थी चोरी, पुलिस ने नही लिखा था मुकदमा, कोर्ट के आदेश से दर्ज हुई एफआईआर

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई। स्थानीय नगर के मुहल्ला तरीबुल्दा में बीते महीने पहले हुई एक चोरी की घटना में न्यायालय के आदेश पर कोतवाली कालपी में मुकदमा दर्ज कराया गया है। पुलिस मामले की विवेचना करने में जुट गई है। उक्त प्रकरण को लेकर वादी देवीदीन पुत्र छोटेलाल निवासी मोहल्ला तरीबुल्दा थाना कालपी ने न्यायालय के आदेश पर मुकदमा दर्ज कराते हुए अवगत कराया है कि प्रार्थी बाहर मजदूरी करने गया था। दिनांक 01.06.2026 रात्रि को प्रार्थी घर से अज्ञात चोरों ने एक जोड़ी झुमकी, एक माला, एक जोड़ी बाला, एक अंगूठी, एक बिछुआ, एक कमरबंद, एक जोड़ी पायल, एक जोड़ी गुन्ही, एक बाल चोटी, एक जोड़ी तोड़ियां तथा बक्से में रखे 15000 रूपये नगद सोलर बैटरी, सूर्य प्लेट तथा इनवर्टर भी चोरी कर ले गए। मोहल्ले के लोगों ने सूचना दी तब प्रार्थी घर आया तो देखा कि मकान में ताला तोड़कर चोरी की गई है। प्रार्थी जब आया तो देखा तब जानकारी हुई प्रार्थी को अंदेशा है कि इस चोरी में आरोपी वासुदेव निवासी तरीबुल्दा का हाथ है। पुलिस ने बिबेचना शुरू कर दी है।

पुलिस ने चार जुआरियो को दबोचा

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई। पुलिस उपाधीक्षक राजेश कमल के निर्देश पर ग्राम स्वरूपपुर मुसमरिया रोड पर इलाकाई पुलिस टीम के द्वारा चार लोगों को मौके पर जुआ खेलते गिरफ्तार कर चालान किया गया है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार थाना तुर्की के उपनिरीक्षक सुरेश चंद्र हमराही सिपाही अनीस अहमद को गस्त के दौरान सूचना मिली कि स्वरूपपुर से मुसमरिया जाने वाले कच्चे रास्ते किनारे ग्राम स्वरूपपुर में खेत में कुछ लोग जुआ खेल रहे हैं?। मुखबिर की सूचना पर विश्वास कर मुखबिर के बताए रास्ते पर स्वरूप पर से 100 मीटर पहले खेत में गोला बनाकर बैठे जुआ खेला जा रहा था। पुलिस टीम ने छिपते छिपाते दबिश देकर चार लोगों को पकड़ लिया मौके पर 8260 रूपये पुलिस के द्वारा पकड़े गये। पकड़े गए आरोपी वीरपाल सहित 4 व्यक्तियों का पुलिस टीम के द्वारा आवश्यक कानूनी कार्रवाई कर जेल भेज दिया गया।

रेलवे ट्रैक पर ट्रैन से कट गया युवक, पुलिस शिनाख्त में जुटी

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई। शुक्रवार की सुबह कालपी स्थित कांशीराम कालोनी के सामने रेलवे ट्रैक में एक व्यक्ति का शव पड़ा मिला। कालपी कोतवाली पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया तथा शव को कब्जे मे लेकर आवश्यक कार्यवाही शुरू कर दी गई है। प्राप्त जानकारी में बताया गया है कि इण्टरसीटी एक्सप्रेस में यात्रा कर रहे यात्रियों ने जीआरपी पुलिस चौकी कालपी को रेलवे ट्रैक पर शव पड़े होने की सूचना मिलते ही जीआरपी इंचार्ज संजना सिंह पुलिस बल के साथ पहुंचीं मौके पर रेलवे ट्रैक पर पड़ा शव जीआरपी पुलिस की सीमा पर न होने के चलते कालपी पुलिस मौके पर पहुंची ।मामला कांशीराम कालौनी के समीप पर रेलवे ट्रैक पोल संख्या 1274/10-12 का पाया गया है। रेलवे ट्रैक पर पड़े युवक के शव की शिनाख्त को लेकर कालपी पुलिस जुटी साक्ष्य जुटाने में पुलिस के मुताबिक मृतक युवक की शिनाख्त अभी नही हो सकी। रामगंज चौकी इंचार्ज विशाल भड़ाना ने घटनास्थल का जायजा लिया तथा विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

आवंटित भूमि से अधिक कब्जा करने वालों पर नगर पालिका सख्त, दो भूखंड सील करने की तैयारी

(यंग भारत न्यूज)

कालपी -उरई। स्थानीय नगर के मुख्य बाजार टरनंनगंज में आवंटित प्लॉटों पर निर्धारित क्षेत्रफल से अधिक भूमि पर कब्जा करने वालों के विरुद्ध सख्ती शुरू कर दी गई है। नगर पालिका परिषद के द्वारा दो चिन्हित 2 भूखंडो को सील करने की तैयारी शुरू कर दी गई है। पालिका की इस कार्यवाही से बाजार के कई दुकानदारों में खलबली मच गई है।

नगर पालिका के राजस्व निरीक्षक अजीत कुमार सिंह के नेतृत्व में मुख्य बाजार टरनंनगंज क्षेत्र का निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान भूखंड संख्या 1409 में सरकारी जमीन में 2 आवंटियों द्वारा निर्धारित सीमा से अधिक भूमि पर कब्जा किए जाने की शिकायतें सही पाए जाने पर कार्यवाही की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। प्रथम चरण में दो भूखंडों को सील करने की तैयारी की जा रही है। राजस्व निरीक्षक अजीत कुमार सिंह ने बताया कि नगर पालिका की संपत्तियों पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा या आवंटित सीमा से अधिक भूमि का उपयोग स्वीकार नहीं किया जाएगा। संबंधित लोगों को नियमों का पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। निर्धारित समय के भीतर स्थिति में सुधार नहीं किया गया तो सीलिंग सहित अन्य वैधानिक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। नगर पालिका की इस कार्रवाई की सूचना मिलते ही मुख्य बाजार के व्यापारियों एवं दुकानदारों में हलचल बढ़ गई है। कई लोगों ने अपने-अपने भूखंडों की सीमाओं का मिलान शुरू कर दिया है। नगर पालिका के राजस्व निरीक्षक का कहना है कि नगर की संपत्तियों की सुरक्षा एवं नियमों का पालन सुनिश्चित करें।

अचानक काशीराम कालौनी पहुंचे पालिकाध्यक्ष गंदगी को देख हुए आगबबूला

साफ-सफाई के दिए निर्देश, कहा लापरवाही कतई बर्दाश्त नही की जाएगी

(यंग भारत न्यूज)

कोंच नगर के बाहरी छोर स्थित कांशीराम कालोनी में शुक्रवार सुबह उस समय लोगों को राहत मिली जब पालिकाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता स्वयं सफाई कर्मचारियों की टीम के साथ अचानक मौके पर पहुंच गए। कालोनी में व्याप्त गंदगी, खराब हैंडपंप, टूटी पाइप लाइन और खराब प्रकाश व्यवस्था को देखकर वह आग बबूला हो गए तथा संबंधितो को तत्काल सभी समस्याओं के तत्काल समाधान के निर्देश दिए ।जानकारी के अनुसार, पालिकाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता सुबह कालोनी से गुजर रहे थे। इस दौरान उन्हें क्षेत्र में साफ-सफाई की बदहाल स्थिति दिखाई दी। इसके बाद वे सीधे नगर पालिका पहुंचे और सफाई कर्मचारियों को बुलाकर पूरी टीम के साथ कांशीराम कालोनी पहुंचे। वहां उन्होंने स्वयं निरीक्षण करते हुए कर्मचारियों से पूरे क्षेत्र में विशेष सफाई अभियान चलवाया। नालियों और गलियों की सफाई कराई गई तथा लंबे समय से जमा गंदगी को हटाया गया ।निरीक्षण के दौरान स्थानीय लोगों ने पालिकाध्यक्ष को मच्छरों के बढ़ते प्रकोप, खराब हैंडपंप, टूटी पाइप लाइन और स्ट्रीट लाइटों के खराब होने की समस्या से अवगत कराया। इस पर उन्होंने संबंधित कर्मचारियों को खराब हैंडपंपों की मरम्मत, क्षतिग्रस्त पाइप लाइन बदलने, प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त करने और नियमित फॉगिंग कराने के निर्देश दिए ।पालिकाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता ने कहा कि नगर की स्वच्छता और नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाना नगर पालिका की प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि शहर के विभिन्न वार्डों का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है और जहां भी सफाई या अन्य मूलभूत सुविधाओं में कमी मिलेगी वहां तत्काल कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि कांशीराम कालोनी में मच्छरों की समस्या को देखते हुए फॉगिंग मशीन चलाने के निर्देश भी दिए गए हैं ताकि लोगों को राहत मिल सके ।उन्होंने नागरिकों से भी नगर को स्वच्छ रखने में सहयोग करने की अपील की तथा कहा कि किसी भी प्रकार की समस्या की सूचना नगर पालिका को दें, उसका शीघ्र निस्तारण कराया जाएगा। इस दौरान पालिका के कर्मचारी मौजूद रहे।

एसवीएनआईटी के शोधकर्ता ने क्लाउड नेटवर्क को साइबर हमलों से बचाने की विकसित की अनूठी तकनीक

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। देश में उद्योगों और सरकारी संस्थानों के तेजी से क्लाउड आधारित सेवाओं की ओर बढ़ने के बीच, सरदार वल्लभभाई राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एसवीएनआईटी), सूरत के शोधार्थी आदर्श कुमार ने क्लाउड वातावरण को उन्नत साइबर हमलों से सुरक्षित रखने के लिए एक अभिनव साइबर सुरक्षा प्रणाली विकसित की है।

एसवीएनआईटी के कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग के शोधार्थी आदर्श कुमार ने ऐसी अग्रसक्रिय (पहले से सतर्क रहने वाली) सुरक्षा तकनीक तैयार की है, जो साइबर खतरों की पहचान उनके डिजिटल पहचान चिह्न के बजाय उनके व्यवहार के आधार पर करती है। उनके शोध पत्र 'क्लाउड वातावरण में सिस्टम कॉल के माध्यम से व्यवहार आधारित मालवेयर पहचान' को विश्व प्रसिद्ध प्रकाशन संस्था स्प्रिंगर द्वारा प्रकाशित प्रतिष्ठित एवं विशेषज्ञों द्वारा समीक्षित जर्नल ऑफ कंप्यूटर वायरोलॉजी एंड हैकिंग टेक्निक्स में प्रकाशन के लिए स्वीकार किया गया है। नए साइबर खतरों पर भी रखेगी नजर अब तक अधिकांश एंटीवायरस सॉफ्टवेयर पहले से उपलब्ध डिजिटल पहचान चिह्न (सिग्नेचर) के आधार पर वायरस और मालवेयर की पहचान करते हैं। लेकिन आधुनिक साइबर अपराधी मालवेयर के कोड में मामूली बदलाव करके इन सुरक्षा प्रणालियों को आसानी से धोखा दे देते हैं।आदर्श कुमार द्वारा विकसित नई तकनीक इस कमी को दूर करती है। यह प्रणाली किसी भी प्रोग्राम द्वारा ऑपरेटिंग सिस्टम को दिए जाने वाले सिस्टम कॉल की वास्तविक समय में निगरानी करती है। इन गतिविधियों के व्यवहार का विश्लेषण कर यह तुरंत संदिग्ध या दुर्भावनापूर्ण गतिविधियों का पता लगा लेती है और हमले को रोकने में सक्षम होती है, चाहे वह मालवेयर पहले कभी देखा गया हो या बिल्कुल नया हो।

वैश्विक स्तर पर मिली पहचान

जर्नल ऑफ कंप्यूटर वायरोलॉजी एंड हैकिंग टेक्निक्स कंप्यूटर सुरक्षा और साइबर रक्षा के क्षेत्र का एक प्रतिष्ठित स्कोपस सूचीबद्ध (क्यू-2 श्रेणी) शोध जर्नल है। इसमें शोध पत्र का स्वीकार होना एसवीएनआईटी में हो रहे उच्च स्तरीय अनुसंधान और उसकी अंतरराष्ट्रीय उपयोगिता का प्रमाण माना जा रहा है। संस्थान के एक प्रतिनिधि ने बताया कि क्लाउड डेटा चोरी और साइबर हमलों की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए यह शोध आधुनिक डिजिटल ढांचे के लिए एक मजबूत सुरक्षा कवच साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि आदर्श कुमार की यह उपलब्धि संस्थान के लिए गर्व का विषय है और राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में भारत की क्षमता को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यह तकनीकी शोध आगामी अंक में आधिकारिक रूप से प्रकाशित किया जाएगा।

उप परिवहन आयुक्त झांसी की अध्यक्षता में एआरटीओ कार्यालय में बैठक का आयोजन किया गया

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)।मिशन सेफ फ्यूचर'' के तहत उप परिवहन आयुक्त (परिक्षेत्र), झाँसी की अध्यक्षता में उप सम्भागीय परिवहन अधिकारी कार्यालय, जनपद-जालौन में स्कूली वाहनों के संचालन, सुरक्षा मानकों और उनके वैध प्रपत्रों (दस्तावेजों) की समीक्षा के साथ-साथ स्कूली बच्चों के सुरक्षित परिवहन के विभिन्न पहलुओं पर जागरुकता के सम्बन्ध में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में उपस्थित समस्त प्रबन्धक, प्रधानाचार्य, वाहन इंचार्ज व वाहन स्वामियों को अवगत कराया गया कि स्कूली छात्र-छात्राओं की सुरक्षित यात्रा और परिवहन नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से दिनाँक 01 जुलाई, 2026 से 15 जुलाई, 2026 तक परिवहन विभाग द्वारा स्कूली वाहनों के विरुद्ध ''मिशन सेफ फ्यूचर'' अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान विभिन्न क्षेत्रों के मार्गों पर स्कूली वाहनों की फिटनेस, परमिट और सुरक्षा मानकों को परखने के लिए चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान स्कूल बस बॉडी के विभिन्न पहलुओं, आपातकालीन निकास द्वार, सीसीटीवी कैमरे, पैनिक बटन, फर्स्ट एड बॉक्स और अग्निशमन यंत्रों की क्रिया शीलता जांची जाएगी। साथ ही बैठक में उपस्थित समस्त प्रबन्धक, प्रधानाचार्य, वाहन इंचार्ज व वाहन स्वामियों को स्कूली बच्चों की सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए सड़क सुरक्षा के नियमों व स्कूली वाहनों के नियमों का कड़ाई से पालन करने तथा माननीय सर्वोच्च न्यायालय और परिवहन विभाग द्वारा जारी निर्धारित मानकों (जैसे-जीपीएस, सीसीटीवी, फिटनेस, सर्टिफिकेट और प्रशिक्षित चालक) का शत-प्रतिशत पालन करने हेतु सख्त निर्देश दिये गये व यह भी अवगत कराया गया कि लापरवाही बरतने वाले वाहनों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। उक्त के बैठक में संजय सिंह, उप परिवहन आयुक्त (परिक्षेत्र) झाँसी, राजेश कुमार वर्मा, सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) झाँसी, राजेश कुमार, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) जालौन, सौम्या पाण्डेय, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) जालौन, आनन्द राय कुरील, यात्री/मालकर अधिकारी, जालौन व जनपद में संचालित विद्यालयों के प्रबन्धक, प्रधानाचार्य, वाहन इंचार्ज, वाहन स्वामी आदि काफी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। परिवहन विभाग, जनपद-जालौन सभी अभिभावकों से अपील करता है कि अपने बच्चों को स्कूल भेजते समय वाहन की सुरक्षा स्थिति और वैध दस्तावेजों की पुष्टि अवश्य कर लें।

उचित दर विक्रेताओं ने बकाया भुगतान की मांग को लेकर डीएम को सौंपा ज्ञापन

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जनपद के उचित दर विक्रेता संगठन ने शुक्रवार को जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर वर्षों से लंबित विभिन्न मदों के बकाया भुगतान की मांग उठाई। संगठन का कहना है कि शासन द्वारा जमा कराई गई सुरक्षा धनराशि, खाली बोरियों का भुगतान, पुराने कमीशन तथा अन्य योजनाओं के बकाया का भुगतान अब तक नहीं किया गया है, जिससे विक्रेताओं को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

ज्ञापन में बताया गया कि नवंबर 2021 में जमा कराई गई सुरक्षा धनराशि वापस नहीं मिली है। वहीं मार्च एवं अप्रैल 2026 में जमा कराई गई जूट की खाली बोरियों का भुगतान भी लंबित है। इसके अलावा वर्ष 2005 से 2015 तक के कमीशन, वर्ष 2019 से 2023 तक के एमडीएम, हैंडपंप, आंगनबाड़ी आदि मदों के बकाया भुगतान की भी मांग की गई है। संगठन ने यह भी आरोप लगाया कि वर्ष 2020 में चना, रिफाइंड तथा वर्ष 2025 के नमक और वर्ष 2026 के चावल व बाजरा वितरण का कमीशन भी अब तक नहीं मिला है। कई बार ज्ञापन और पत्राचार के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उचित दर विक्रेता संगठन ने जिलाधिकारी से मांग की है कि सभी लंबित भुगतान शीघ्र कराए जाएं और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए जाएं, ताकि विक्रेताओं को आर्थिक संकट से राहत मिल सके।इस मौके पर प्रमुख रूप मनोज चौहान बोहदपुरा, जयदेव सिंह यादव, रमाकांत रावत, शिवपाल सिंह, रामसिया चौबे, मीडिया प्रभारी सुनील शर्मा आदि मौजूद रहे।

अतिक्रमण से जलनिकासी बाधित, ग्रामीणों ने सिटी मजिस्ट्रेट से लगाई गुहार

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। विकास खंड डकोर की ग्राम पंचायत ऐर के ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपकर गांव के तालाब पर हुए अतिक्रमण को हटाने की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि तालाब पर अतिक्रमण होने से बरसात का पानी निकासी नहीं हो पा रही है, जिससे गांव में जलभराव की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है।

शिकायत में बताया गया है कि गांव की गलियां और मुख्य सड़कें पानी से लबालब भरी रहती हैं। जलभराव के कारण लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया है। कई बार प्रशासन और पुलिस विभाग द्वारा अतिक्रमण हटाने का प्रयास किया गया, लेकिन अब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कुछ लोगों द्वारा तालाब की भूमि पर अवैध कब्जा कर लिया गया है, जिससे पानी की निकासी पूरी तरह बाधित हो गई है। उन्होंने जिलाधिकारी से तालाब से अतिक्रमण हटवाकर जलनिकासी की समुचित व्यवस्था कराने की मांग की है, ताकि बरसात के मौसम में ग्रामीणों को राहत मिल सके। इस मौके पर प्रमुख रूप से उमेश कुमार,वीरेन्द्र,रामकुमारी, रेखा कुमारी,प्रतिभा,अनीता, मनीष,श्याम शरण,शिवकुमार, गंगाराम, महेंद्र सिंह,गीता, राखी आदि मौजूद रहे।

सरकारी अस्पताल भगवान भरोसे, डॉक्टर नदारद; इलाज को तरस रहे ग्रामीण

-डॉक्टरों की अनुपस्थिति से चरमराई स्वास्थ्य सेवाएं, सफाई व्यवस्था भी बदहाल

-चीफ फार्मेसिस्ट ने जिम्मेदारी से किया किनारा, ग्रामीणों ने डीएम व सीएमओ से लगाई गुहार

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। विकास खंड नदीगांव क्षेत्र की ग्राम पंचायत नावली स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र इन दिनों बदहाली का शिकार बना हुआ है। सरकार द्वारा ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्थापित यह अस्पताल अब अपनी मूल व्यवस्था से भटक गया है। अस्पताल में डॉक्टरों की नियमित मौजूदगी न होने और सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमराने से मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों का आरोप है कि अस्पताल में तैनात चिकित्सक अधिकांश समय अनुपस्थित रहते हैं, जिससे इलाज के लिए आने वाले मरीजों को बिना उपचार के ही लौटना पड़ता है। अस्पताल में गंदगी का आलम बना रहता है और सफाई कर्मचारियों की अनुपस्थिति के कारण परिसर की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। सूत्रों के अनुसार स्वास्थ्य केंद्र का संचालन केवल चीफ फार्मेसिस्ट राजकुमार के भरोसे चल रहा है। वहीं ग्रामीणों का कहना है कि जब अस्पताल की अव्यवस्थाओं के संबंध में चीफ फार्मेसिस्ट से जानकारी लेने का प्रयास किया गया तो उन्होंने भी इस मामले से पल्ला झाड़ लिया। ग्रामीणों का कहना है कि सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है, लेकिन जिम्मेदार कर्मचारियों की लापरवाही के कारण योजनाओं का लाभ आम जनता तक नहीं पहुंच पा रहा है। बीमार मरीजों और गर्भवती महिलाओं को मजबूरी में निजी अस्पतालों का सहारा लेना पड़ रहा है, जिससे उन पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ता है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी और मुख्य चिकित्सा अधिकारी से मांग की है कि अस्पताल में चिकित्सकों एवं अन्य कर्मचारियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित कराई जाए, सफाई व्यवस्था दुरुस्त की जाए तथा पूरे मामले की जांच कर लापरवाह कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए, ताकि क्षेत्र की जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें।

स्कूल बसों की जांच में लापरवाही उजागर, दो वाहनों पर कार्रवाई

-मिशन सेफ फ्यूचर' अभियान में परिवहन विभाग की कार्रवाई

(यंग भारत न्यूज)

उरई,जालौन । स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर परिवहन विभाग ने शुक्रवार को सख्ती दिखाई। 'मिशन सेफ फ्यूचर' अभियान के तहत जांच में सुरक्षा मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर दो स्कूली वाहनों को सीज कर दिया गया। इनमें सवार बच्चों को दूसरे वाहन से सुरक्षित उनके स्कूल पहुंचाया गया।

सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) राजेश कुमार और यात्री/मालकर अधिकारी आनंद राय कुरील ने विभिन्न मार्गों पर स्कूल वाहनों की फिटनेस, परमिट और सुरक्षा उपकरणों की जांच की। इस दौरान दो वाहनों में गंभीर खामियां मिलने पर उन्हें जालौन नगर में कब्जे में लेकर नियमानुसार कार्रवाई करते हुए औद्योगिक क्षेत्र पुलिस चौकी उरई में खड़ा कराया गया। साथ ही अन्य नियमों का उल्लंघन करने वाले कई स्कूल वाहनों के चालान भी किए गए। अधिकारियों ने बताया कि 15 जुलाई तक चलने वाले 'मिशन सेफ फ्यूचर' अभियान के दौरान जीपीएस, सीसीटीवी, आपातकालीन द्वार, फिटनेस, अग्निशमन यंत्र, फर्स्ट एड बॉक्स और प्रशिक्षित चालक समेत सभी सुरक्षा मानकों की जांच की जा रही है। नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। परिवहन विभाग ने अभिभावकों से अपील की है कि बच्चों को स्कूल भेजने से पहले वाहन की सुरक्षा व्यवस्था और उसके वैध दस्तावेजों की जानकारी अवश्य कर लें।

ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत जालौन पुलिस की बड़ी सफलता, छह माह में 141 अभियुक्तों को सजा

(यंग भारत न्यूज)

उरई। जालौन पुलिस द्वारा अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी पैरवी का अभियान लगातार सफल साबित हो रहा है। ऑपरेशन कन्विक्शन के अंतर्गत पिछले छह माह में विभिन्न मामलों के 141 अभियुक्तों से जुड़े 203 अभियोगों में न्यायालय द्वारा दोषसिद्धि कराते हुए उन्हें सजा एवं अर्थदंड दिलाया गया है।

पुलिस महानिदेशक के निर्देशन एवं वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में जनपद जालौन पुलिस ने विवेचना की गुणवत्ता, साक्ष्य संकलन तथा अभियोजन पक्ष से बेहतर समन्वय स्थापित कर न्यायालय में प्रभावी पैरवी की। इसके परिणामस्वरूप 1 जनवरी 2026 से अब तक बड़ी संख्या में अभियुक्तों को कठोर दंड दिलाया गया। जारी आंकड़ों के अनुसार, इस अवधि में 17 अभियोगों में 6 अभियुक्तों को आजीवन कारावास, महिलाओं एवं बालिकाओं से संबंधित अपराधों के मामलों में 17 अभियुक्तों से जुड़े 23 अभियोगों में सजा दिलाई गई, जबकि अन्य मामलों में 135 अभियुक्तों से जुड़े 186 अभियोगों में विभिन्न अवधियों के कठोर कारावास एवं अर्थदंड की सजा सुनाई गई। पुलिस ने कहा है कि अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी पैरवी कर अधिक से अधिक दोषसिद्धि सुनिश्चित कराने का अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

चलती ट्रेनों में महिलाओं के हैंडबैग उड़ाने वाला शातिर जीआरपी ने दबोचा, तीन चोरी के मोबाइल बरामद

जीआरपी उरई को मिली सफलता,चोरी के तीन मोबाइलों के साथ शातिर चोर गिरफ्तार

(यंग भारत न्यूज)

उरई,जालौन। जीआरपी उरई पुलिस ने चलती ट्रेनों में चोरी की घटनाओं का खुलासा करते हुए एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से करीब 22,500 रुपये कीमत के तीन चोरी के मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। आरोपी ने पूछताछ में पिछले छह-सात माह के दौरान चलती ट्रेनों में महिलाओं के हैंडबैग चोरी करने की घटनाएं स्वीकार की हैं।

शुक्रवार तड़के करीब 3:50 बजे प्लेटफॉर्म नंबर-1 के पश्चिमी छोर पर रेलवे लाइन के पास चेकिंग के दौरान जीआरपी पुलिस ने बाबूलाल पाल (38) पुत्र राम प्रकाश निवासी ग्राम बनफरा थाना कोतवाली उरई, जनपद जालौन को गिरफ्तार किया। उसके पास से एक वीवो और दो ओप्पो कंपनी के मोबाइल फोन बरामद हुए। बरामद मोबाइल जीआरपी उरई में दर्ज चोरी के मुकदमों से संबंधित पाए गए। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने लगभग छह-सात माह पहले तथा पांच-छह माह पहले चलती ट्रेनों में महिलाओं के हैंडबैग चोरी किए थे, जिनमें मोबाइल फोन और नकदी रखी थी। बरामद तीनों मोबाइल उन्हीं वारदातों से जुड़े हैं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित मुकदमों में आवश्यक धाराओं की बढ़ोत्तरी करते हुए आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। गिरफ्तारी टीम का नेतृत्व थाना प्रभारी नागेंद्र सरोज, उ0नि0 प्रेमचन्द्र थाना जीआरपी उरई अनु0 झांसी, हे0का0 राजीव कुमार (विशेष ड्यूटी) थाना जीआरपी उरई, हे0का0 आलोक कुमार थाना जीआरपी उरई का0 अंजेश कुमार (विशेष डियूटी) थाना जीआरपी उरई ने किया।

भाकियू ने अधीक्षण अभियंता विद्युत को छह सूत्रीय ज्ञापन सौंपा

यूनियन ने समस्याओं को शीघ्र निस्तारण करने की मांग की

(यंग भारत न्यूज)

उरई। भारतीय किसान यूनियन ने अधीक्षण अभियंता विद्युत को छह सूत्रीय ज्ञापन देकर पिछली समस्याओं का समाधान न करने का आरोप लगाया। भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष डॉ द्विजेंद्र सिंह निरंजन के नेतृत्व में किसानों का एक प्रतिनिधिमंडल अधीक्षण अभियंता विद्युत से मिला और उन्होंने अधीक्षण अभियंता को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि खरीफ फसल की बुआई नजदीक है किन्तु विभाग द्वारा निजी व सरकारी नलकूपों के बिजली के पोल व ट्रांसफार्मर ठीक नहीं हुए हैं। ग्रामों में लो वोल्टेज के कारण पेयजल आपूर्ति में सुधार नहीं हो रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में नलकूपों की विद्युत लाइन जर्जर होकर नीचे झूल रही हैं, शिकायत के बाद भी सुधार नहीं, आंधी तूफान में हाईटेंशन लाइन के खंभे टूटने से तार खेतों में पड़े होने से किसानों को खेती करने में परेशानी हो रही है, शीघ्र हटाए जाएं। जिले के अधिकांश सब स्टेशनों की पुरानी और जर्जर मशीनों के कारण आपूर्ति की समस्या रहती है, शीघ्र बदली जाएं। किसानों को बिजली कनेक्शन लेने में इस्टीमेट के आधार पर पैसा लेने के बाद भी पूरा सामान नहीं दिया जाता है ऐसी स्थिति में किसानों को उनका पैसा लौटाया जाए। इस अवसर पर डॉ केदारनाथ, बृजेश राजपूत, रामकुमार पटेल, दिनेश प्रताप गौर, श्याम सुन्दर, चंद्र मोहन निरंजन महेंद्र भाटिया बबलू खरुसाजेन्टर सिंह, सोमेंद्र कुमारचतुर सिंह पटेल,अजय पाल सिंह,देव सिंह,शिव बालक , सुभाष पटेल, अनिरुद्ध पटेल सहित सैकड़ों कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे।

गुड़ और घी की मंडी के लिए दूर दूर तक विख्यात था माधौगढ़

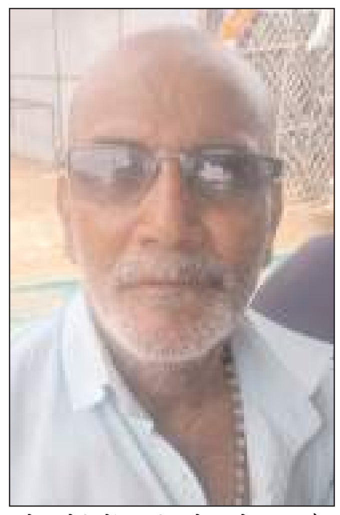

-100 वर्ष होते होते अपना वजूद खो चुकी माधौगढ़ मंडी

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ(जालौन) उत्तर प्रदेश के जालौन जिले का माधौगढ़ नगर कभी अपनी एक खास पहचान के लिए पूरे देश में जाना जाता था। यहाँ की 100 साल पुरानी गुड़ और घी की मंडी अपनी शत-प्रतिशत शुद्धता और उच्च गुणवत्ता के लिए पूरे भारत में विख्यात थी। लेकिन आज शासन और प्रशासन की घोर उपेक्षा के कारण यह ऐतिहासिक धरोहर पूरी तरह विलुप्त होने की कगार पर पहुँच गई है।

माधौगझ की बंद चीनी मिल और दम तोड़ती गुड़ मंडी

नगर में स्थापित गन्ना मिल वर्षों से धूल फांक रही है। मिल बंद होने का सीधा असर क्षेत्र के गन्ना किसानों और गुड़ व्यापार पर पड़ा है। स्थानीय किसान पान सिंह और तेज सिंह का कहना है कि:अगर शासन इस बंद पड़ी चीनी मिल को दोबारा चालू करवा दे, तो क्षेत्र के किसानों को गन्ने का सही दाम मिलेगा और इससे दम तोड़ चुकी गुड़ मंडी को भी एक नया जीवनदान मिलेगा।

दूध डेरियों का जाल और खोती घी की शुद्धता ?कभी शुद्धता की गारंटी माने जाने वाले माधौगढ़ के घी व्यापार पर जगह-जगह खुली अनियंत्रित दूध डेरियों ने गहरा आघात किया है। इन डेरियों के कारण पारंपरिक घी का व्यापार ठप हो गया है, जिससे आम जनता को अब असली व शुद्ध घी मिलना दूभर हो गया है।

इस गंभीर मुद्दे पर नगर के प्रतिष्ठित व्यापारी महेश मौसिया और बलराम सिंह ने प्रशासन से मांग की है कि ?क्षेत्र में चल रही सभी दूध डेरियों के लाइसेंस की कड़ाई से जांच हो।?डेरियों पर मिलने वाले दूध और अन्य उत्पादों की गुणवत्ता का नियमित निरीक्षण किया जाए।

मिलावटखोरों पर नकेल कसी जाए ताकि घी की शुद्धता बहाल हो सके और घी मंडी पर जनता का पुराना विश्वास फिर से लौट आए। माधौगढ़ की यह ऐतिहासिक मंडी सिर्फ एक व्यापारिक केंद्र नहीं, बल्कि इस क्षेत्र की सांस्कृतिक और आर्थिक रीढ़ थी। स्थानीय नागरिकों, किसान पान सिंह व तेज सिंह ने शासन,प्रशासन से बन्द पडी चीनी मिल को पुना चालू कराये जाने की मांग की है ।जिससे किसानों व व्यापारियों को इसका लाभ मिल सके।

प्रशासनिक मौन के बीच माधौगढ़ में अवैध मिट्टी खनन का काला खेल जारी

कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ़ (जालौन)। उत्तर प्रदेश के जालौन जिले में इन दिनों खनन माफियाओं के हौसले बुलंद हैं। माधौगढ़ तहसील क्षेत्रों में अवैध मिट्टी खनन का कारोबार बड़े पैमाने पर फल-फूल रहा है। स्थानीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, माधौगढ़ क्षेत्र के भीम नगर और उसके आस-पास के इलाकों से दिन-रात मिट्टी का अवैध उत्खनन कर उसे ऊंचे दामों पर बेचा जा रहा है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि इस पूरे खेल पर स्थानीय प्रशासन और संबंधित विभाग ने पूरी तरह से चुप्पी साध रखी है, जिससे क्षेत्र की जनता में भारी आक्रोश है।

प्तप्तप्त सड़कों पर 'यमदूत' बने दौड़ रहे ट्रैक्टर-ट्रॉली

ग्रामीणों का आरोप है कि भीम नगर से लेकर पूरे माधौगढ़ क्षेत्र में दिन हो या रात, मिट्टी से लदे ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्रॉली सड़कों पर बेखौफ होकर फर्राटा भर रहे हैं। इन ट्रैक्टरों की रफ्तार इतनी तेज होती है कि सड़कों पर चलने वाले राहगीरों और स्कूली बच्चों की जान हमेशा जोखिम में बनी रहती है। तेज रफ्तार और लापरवाही से दौड़ते इन वाहनों के कारण धूल का गुबार उड़ता रहता है, जिससे राहगीरों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

प्तप्तप्त आखिर किसकी शह पर हो रहा है यह खेल?

क्षेत्र में चर्चाओं का बाजार गर्म है कि आखिर किसके संरक्षण में यह अवैध कारोबार बिना किसी डर के संचालित हो रहा है ? नियमानुसार मिट्टी खनन के लिए संबंधित विभाग से उचित अनुमति और रॉयल्टी का भुगतान करना अनिवार्य होता है। लेकिन यहाँ नियमों को ताक पर रखकर, बिना किसी डर के हर दिन सैकड़ों चक्कर ट्रैक्टर दौड़ रहे हैं। जनता का सीधा सवाल है कि क्या इस अवैध धंधे में स्थानीय पुलिस और खनन विभाग की मूक सहमति है ? क्योंकि बार-बार शिकायत के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई देखने को नहीं मिली है।

बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है प्रशासन

बिना किसी सुरक्षा मानकों और रिफ्लेक्टर के रात के अंधेरे में दौड़ने वाले ये ट्रैक्टर-ट्रॉली कभी भी किसी बड़े हादसे का कारण बन सकते हैं। पहले भी इस तरह के अवैध वाहनों के कारण कई मासूम अपनी जान गंवा चुके हैं, लेकिन जालौन प्रशासन शायद किसी बड़ी अनहोनी का इंतजार कर रहा है।

» स्थानीय निवासियों की मांग:

> 'क्षेत्र की जनता ने जिलाधिकारी और उच्च अधिकारियों से गुहार लगाई है कि इस अवैध मिट्टी खनन पर तत्काल रोक लगाई जाए। सड़कों पर दौड़ रहे ओवरलोड वाहनों के खिलाफ चेकिंग अभियान चलाकर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए, इससे पहले कि कोई बड़ा हादसा किसी हंसते-खेलते परिवार को उजाड़ दे।'

> अब देखना यह होगा कि इस खबर के सामने आने के बाद जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारी जागते हैं या खनन माफियाओं का यह अवैध साम्राज्य इसी तरह बेखौफ चलता रहेगा।

माधौगण कस्बा मैं झोला छाप डॉक्टरों की भरमार

(यंग भारत न्यूज)

माधौगण जालौन, माधौगण कस्बा मैं आजकल बिना डिग्री के झोलाछाप डॉक्टरों की भरमार गरीबों का चूस रहे हैं खून जिसकी जांच सक्षम अधिकारियों को सौंपी गई थी एक साल से अधिक हो गया कोई कार्य वाही नहीं की गई केवल जांच चल रही है देखना यह है कि जांच को अपना ठिकाना मिलता है या जांच चलती ही रहेगी जबकि ऐसे मामलों में सरकार को संज्ञान में लेते हुए जांच का दायरा निश्चित किया जाए क्योंकि सालों गुजर जाते हैं और जांच अपने मुकाम तक नहीं पहुंच पाती है वह चलती ही रहती है ऐसे ही कस्बा में अन्य डॉक्टर जैसे बंगाली एवं कमल राय जो बिना डिग्री किये ही खुलेआम अपने को डॉक्टर बता कर डॉक्टरी कर रहे हैं कस्बा के डॉक्टर कमल राय से जब मीडिया कर्मियों ने उनके डिग्री के बारे में जानकारी ली तो उनका कहना था कि हम बिना डिग्री के ही डॉक्टरी कर रहे हैं हमारा यहां पर इतना रुतबा है कि ना तो कोई सांसद ना विधायक और ना ही कोई प्रभारी चिकित्सा निरीक्षक हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकता है जबकि डॉक्टर साहब को जानकारी भी नहीं है कि किस मर्ज पर कौन दवाई दी जाए फिर भी अपने को डॉक्टर बात कर खुलेआम गरीबों के साथ जिस तरीके से अन्याय हो रहा है जबकि इसकी शिकायत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी मनीष राजपूत से की गई तो उन्होंने शक्त आदेश दिया कि झोलाछाप डॉक्टरो पर सख्त कार्रवाई होगी जबकि कस्बा के झोलाछाप डॉक्टरों ने पहले भी कई मरीजों के ऐसे इंजेक्शन लगाए जिनकी जान पर आफत आ गई और इसका विरोध भी हुआ लेकिन वह अपनी दबंगई की दम पर डॉक्टरी कर रहे हैं

'एक पेड़ मां के नाम' का दिया संदेश, ग्रीन चौपाल में पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

वन महोत्सव के तृतीय दिवस पर ग्राम रिनिया में आयोजित ग्रीन चौपाल में वन संरक्षक ने ग्रामीणों से अधिकाधिक वृक्षारोपण की अपील की

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। वन महोत्सव के तृतीय दिवस के अवसर पर जनपद के विकास खंड जालौन अंतर्गत ग्राम रिनिया में ग्रीन चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बुंदेलखंड वृत्त, उत्तर प्रदेश झांसी के वन संरक्षक एवं क्षेत्रीय निदेशक महावीर कौजालगी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों, किसानों एवं जनप्रतिनिधियों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने का आह्वान किया। ग्रीन चौपाल को संबोधित करते हुए वन संरक्षक महावीर कौजालगी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी से अपील की कि अपने आसपास किसी भी रिक्त अथवा खाली स्थान का चयन कर इस वर्ष 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं तथा उसके संरक्षण का भी संकल्प लें। उन्होंने कहा कि आज लगाया गया एक पौधा आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ वातावरण, शुद्ध वायु और बेहतर भविष्य प्रदान करेगा ।उन्होंने ग्रामीणों से पौधारोपण को जनआंदोलन का स्वरूप देने तथा अधिक से अधिक लोगों को इस अभियान से जोड़ने का आग्रह किया। साथ ही पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण पर भी विशेष बल दिया। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी के.के. सिंह ने कहा कि वन महोत्सव का उद्देश्य केवल पौधे लगाना नहीं, बल्कि उन्हें सुरक्षित रखकर हरित आवरण को बढ़ाना है। सभी विभागों एवं आमजन की सहभागिता से ही पर्यावरण संरक्षण का लक्ष्य सफल होगा। इस अवसर पर प्रभागीय वनाधिकारी प्रदीप, उपायुक्त श्रम एवं रोजगार रामेन्द्र सिंह, खंड विकास अधिकारी जालौन प्रशांत कुमार, ग्राम प्रधान रिनिया सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी, ग्रामीण एवं कृषक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण, हरित विकास एवं जनभागीदारी के संदेश के साथ वृक्षारोपण अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने का संकल्प भी लिया गया।

उरई कोतवाल के नेतृत्व में पुलिस ने चोरी की घटना का कर दिया किया खुलासा

छह शातिर चोर गिरफ्तार, एक बाइक सहित 16600 रुपये नकद, 5 फोन किये बरामद

(यंग भारत न्यूज)

उरई। कोतवाली उरई पुलिस एवं स्वाट/सर्विलांस टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए चोरी की एक घटना का सफल अनावरण किया है। पुलिस ने मामले में शामिल छह अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 16,600 रुपये नकद, पांच मोबाइल फोन तथा घटना में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल बरामद की है।

पुलिस के अनुसार, वादी द्वारा घर में चोरी होने की सूचना पर कोतवाली उरई में मु.अ.सं. 379/2026, धारा 304(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में गठित टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए सभी छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ एवं बरामदगी के आधार पर पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोतरी करते हुए विधिक कार्रवाई की है। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। पुलिस ने बताया कि इस कार्रवाई में कोतवाली उरई पुलिस एवं स्वाट/सर्विलांस टीम की संयुक्त भूमिका रही। बरामदगी में 16,600 रुपये नकद, पांच मोबाइल फोन तथा एक मोटरसाइकिल शामिल है।

ओवरलोड ट्रैक्टर प्रशासन की नाक के नीचे से धड़ल्ले से गुजर रहे

प्रशासन के मौन रहने से आये दिन ओवरलोड ट्रैक्टरों से हो रहे हैं हादसे

(यंग भारत न्यूज)

माधौगण जालौन, माधौगण कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत ईंटों से लदे ओवरलोड ट्रैक्टर प्रशासन के सामने से गुजर रहे हैं लेकिन प्रशासन मौन धारण किए हुए हैं प्राप्त जानकारी के अनुसार अनिल बाबा बिरिया मंदिर के पुजारी हर ट्रैक्टर वाले से ?500 सुविधा शुल्क लेते हैं और प्रशासन की जिम्मेदारी लेते हैं की कोई भी अधिकारी चला आए लेकिन हमारे मंदिर से ट्रैक्टर नहीं पकड़ेगा इसी बात पर सभी ओवरलोड ट्रैक्टर वाले अनिल बाबा को ?500 हर चक्कर पर देते हैं जबकि इस की शिकायत दूरभाष के माध्यम से उप जिला अधिकारी राजेश सोनी को दी गई जिस पर उप जिला अधिकारी ने नायब तहसीलदार को मौके पर जांच करने के लिए भेजा तो अनिल बाबा ने ओवरलोड ट्रैक्टर अपने मंदिर के अंदर खड़े करा लिए और जब नायब तहसीलदार वहां से चले गए तो फिर ओवरलोड ट्रैक्टर रोड पर खड़े कर दिए इस प्रकरण में कार्रवाई न होने से ओवरलोड ट्रैक्टर वालों को विश्वास हो गया है कि अनिल बाबा के होते हुए हमारे ट्रैक्टर नहीं पकड़े जाएंगे और अनिल बाबा प्रशासन के नाम पर धड़ल्ले से उगाही कर रहे हैं और प्रशासन आंखें मूंदकर तमाशा देख रहा है जबकि कस्बा वासियों ने बताया कि ओवर लोड ट्रैक्टरों की वजह से आये दिन हादसे हो रहे हैं और इस संबंध की शिकायत संबंधित अधिकारियों से की गई है लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है

तालाब पर सत्ताधारी दबंगो ने कर लिया कब्जा, जलभराव के संकट के साथ साथ तालाब का इस्तेमाल भी नही कर पा रहव है लोग, प्रशासन मौन

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ़ (जालौन)। स्थानीय कस्बे के वार्ड नंबर 6 से एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां कुछ रसूखदार सत्ताधारी नेताओं ने अपने निजी स्वार्थ और मोटी कमाई के चक्कर में एक सरकारी तालाब पर अवैध कब्जा कर लिया है। इतना ही नहीं, भू-माफियाओं के हौसले इतने बुलंद हैं कि उन्होंने तालाब के एक बड़े हिस्से को पाटकर वहां से रास्ता (रोड) भी निकाल दिया है।

इस अवैध निर्माण के कारण तालाब का प्राकृतिक स्वरूप पूरी तरह बिगड़ गया है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि जल निकासी का रास्ता बंद होने से आगामी बरसात के मौसम में पूरे क्षेत्र में भारी जलभराव का संकट खड़ा होना तय है। मानसून सिर पर है, और ऐसे में अगर भारी बारिश होती है, तो वार्ड नंबर 6 सहित माधौगढ़ के कई रिहायशी इलाकों को बाढ़ जैसे गंभीर संकट का सामना करना पड़ेगा

सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि आखिर इन अवैध कब्जाधारकों को किसका संरक्षण प्राप्त है ? कस्बे में सरेआम सरकारी संपत्ति को खुर्द-बुर्द किया जा रहा है, लेकिन स्थानीय प्रशासन और राजस्व विभाग पूरी तरह मौन साधे बैठा है। जनता पूछ रही है कि क्या चंद रसूखदारों के फायदे के लिए पूरे कस्बे की सुरक्षा को दांव पर लगाया जा सकता है ।

> माननीय सुप्रीम कोर्ट के कड़े दिशा-निर्देशों के अनुसार, किसी भी सरकारी तालाब, पोखरे या जलस्रोत की भूमि पर किसी भी प्रकार का पक्का निर्माण या सड़क बनाना पूरी तरह गैर-कानूनी और दंडनीय अपराध है। सरकारी तालाब की प्रकृति को बदला नहीं जा सकता है।

जिम्मेदार कौन?

इस पूरे मामले में स्थानीय नगर पंचायत प्रशासन, राजस्व विभाग और क्षेत्रीय लेखपाल की भूमिका संदिग्ध नजर आ रही है। यदि समय रहते इस अवैध रोड को नहीं हटाया गया और तालाब को उसके मूल रूप में बहाल नहीं किया गया, तो आने वाले दिनों में माधौगढ़ की जनता को भारी तबाही झेलनी पड़ेगी। स्थानीय नागरिकों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि मामले की तुरंत निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए।

झांसी से इलाज कर लौट रहे अधेड़ की सड़क हादसे में मौत, परिवार में मचा कोहराम

(यंग भारत न्यूज)

उरई। जिले के सिरसाकलार थाना क्षेत्र के ग्राम अभेदेपुर निवासी 55 वर्षीय राजेंद्र सिंह उर्फ लल्ला की गुरुवार रात सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। वह कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे और इलाज कराने झांसी गए थे। उपचार के बाद बाइक से घर लौटते समय अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने उनकी बाइक में पीछे से टक्कर मार दी।

जानकारी के अनुसार, गुरुवार रात करीब आठ बजे राजेंद्र सिंह अकेले बाइक से झांसी-कानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर अपने गांव लौट रहे थे। जैसे ही वह आटा थाना क्षेत्र स्थित संकट मोचन मंदिर के पास पहुंचे, पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वह कई फीट दूर सड़क पर जा गिरे और सिर में गंभीर चोट लगने से मौके पर ही उनकी मौत हो गई। हादसे के बाद राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही आटा थाना पुलिस मौके पर पहुंची, घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है। मृतक अपने पीछे पत्नी भगवती और तीन बेटियों का भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। बड़ी बेटी दीपाली की शादी हो चुकी है, जबकि रोशनी और रोहिणी अभी अविवाहित हैं। परिवार के मुखिया की असमय मौत से पूरे घर में मातम पसरा है। पत्नी और बेटियों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने बताया कि राजेंद्र सिंह मिलनसार और सरल स्वभाव के व्यक्ति थे तथा परिवार की जिम्मेदारियों का हमेशा निष्ठापूर्वक निर्वहन करते थे।

बहू के साथ ससुर बंद कमरे में करता था गंदा काम, दोस्तों को सौंप देता था बेटे की अमानत; घर का हर मर्द था हैवान

(यंग भारत न्यूज)

अक्सर आपने ऐसे मामले सुने होंगे जिसमे ससुराल वाले बहू के साथ बदसुलूकी करते हैं. लेकिन आज हम आपको एक ऐसा मामला बताने जा रहे हैं जिसमे सिर्फ मारपीट ही नहीं की जाती बल्कि ससुर बहू के साथ गंदा काम भी करता था.

अयोध्या ज़िले के बिकापुर कोतवाली इलाके में एक शादीशुदा महिला ने अपने ससुर, उनके दोस्त और अपने देवर पर कई हैरान कर देने वाले आरोप लगाए हैं. दरअसल, पुलिस ने गुरुवार शाम 4 बजे उसकी शिकायत के आधार पर यह मामला दर्ज किया है. आपकी जानकारी के लिए बता दें कि पीड़िता का आरोप है कि उसके ससुर और उनके दोस्त लंबे समय से उसके साथ अश्लील हरकतें कर रहे थे. जब भी उसने विरोध किया, तो उसे गालियां दी गईं, मारपीट की गई और जान से मारने की धमकी दी गई. महिला ने पुलिस को इस बात की जानकारी दी कि उसके ससुर, राम मनोरथ, और गांव के ही रहने वाले दुर्गा प्रसाद झाड़-फूंक का काम करते हैं. उसका आरोप है कि इस दौरान दोनों आदमी अक्सर उसके साथ अश्लील हरकतें करते थे. महिला के मुताबिक, जब भी उसने अपने ससुर की मांगों को मानने से इनकार किया या विरोध किया, तो उसे गालियां देकर और घर से निकालने या जान से मारने की धमकी देकर डराया-धमकाया गया. पीड़िता का आरोप है कि 26 जून को उसके ससुर राम मनोरथ और देवर आलोक कुमार ने उसके साथ मारपीट की और उसे जबरन घर से निकाल दिया. इस घटना के बाद वो बहुत परेशान हो गई थी. पीड़िता ने मामले की रिपोर्ट करने और कार्रवाई की मांग के लिए कोतवाली पुलिस स्टेशन से संपर्क किया. शिकायत के आधार पर, बिकापुर पुलिस ने राम मनोरथ, आलोक कुमार और दुर्गा प्रसाद के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया है और जांच शुरू कर दी है. बिकापुर कोतवाली के सीनियर सब-इंस्पेक्टर (एसएसआई) विजय प्रताप तिवारी ने पुष्टि की कि पीड़िता की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया है. उन्होंने भरोसा दिलाया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी.

अब सिर्फ 45 मिनट में पूरा होगा लखनऊ से कानपुर का सफर, मगर जेब खाली कर देंगी टोल की दरें

(यंग भारत न्यूज)

प्रदेश के दो प्रमुख शहरों लखनऊ और कानपुर के बीच की दूरी अब इतिहास बनने वाली है। 13 जुलाई 2026 से आम जनता के लिए 6-लेन वाला अत्याधुनिक एक्सप्रेस-वे खोल दिया जाएगा, जिसके बाद महज 35 से 45 मिनट में लोग एक शहर से दूसरे शहर पहुंच सकेंगे।

केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इस महत्वपूर्ण एक्सप्रेस-वे का संयुक्त रूप से लोकार्पण करेंगे। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के राज्यपाल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। 63 किलोमीटर लंबा यह एक्सप्रेस-वे पूरी तरह से सिग्नल-फ्री है, जिस पर वाहनों की अधिकतम गति सीमा 120 किलोमीटर प्रति घंटा निर्धारित की गई है। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इस पर 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। अमौसी से बनी के बीच दो एलिवेटेड सेक्शन, 3 बड़े पुल, 28 छोटे पुल, 38 अंडरपास और 6 फ्लाईओवर का निर्माण किया गया है। यह मार्ग लखनऊ के अमौसी से शुरू होकर उन्नाव के शुक्लागंज होते हुए कानपुर के आजाद चौक तक जाएगा, जो कानपुर रिंग रोड को भी सीधा जोड़ेगा। एनएचएआई (एनएचएआई) ने इस एक्सप्रेस-वे के लिए टोल दरें फाइनल कर दी हैं। कार, जीप और एसयूवी के लिए एक तरफ का टोल 275 रुपये, जबकि 24 घंटे में वापसी के लिए 415 रुपये देने होंगे। वहीं, हल्के कमर्शियल वाहनों के लिए यह दर 445 रुपये (एक तरफ) और भारी वाहनों के लिए 1020 रुपये तक रखी गई है। ध्यान रहे कि इस एक्सप्रेस-वे पर दोपहिया और तिपहिया वाहनों का चलना प्रतिबंधित रहेगा। नियमित यात्रियों के लिए 3,075 रुपये का सालाना पास उपलब्ध होगा, जिससे वे एक साल में 200 बार यात्रा कर सकेंगे।

मुरादाबाद के बाद अब मेरठ की सपा में फूट की चिंगारी? अखिलेश यादव कर पाएंगे मैनेज!

(यंग भारत न्यूज)

प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 से पहले कैबिनेट मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) प्रमुख ओम प्रकाश राजभर बेहद एक्टिव हो गए हैं. इस बीच वे लगातार समाजवादी पार्टी (सपा) के मुखिया अखिलेश यादव पर जमकर हमला बोल रहे हैं.

एक बार फिर ओपी राजभर ने अखिलेश यादव पर एक घटना का उदाहरण देते हुए निशाना साधा. कैबिनेट मंत्री राजभर ने एक्स पर लिखा, ' वाईपी यानी 'यादववादी पार्टी' दलितों का अपमान कैसे करती है, इस घटना से समझिए. मेरठ के मवाना में 'राजा बाबू' उर्फ अखिलेश यादव की पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने एक सभा बुलाई. मंच सजा था. माला था और माईक भी था. कुछ लोग भी थे. दलित समाज से आने वाले पूर्व मंत्री, जो कि जाति से वाल्मीकि हैं, मंच की शोभा बढ़ाने की कोशिश कर रहे थे तो उनके साथ गुर्जर समाज से आने वाले जिलाध्यक्ष भी उस शोभा का हिस्सा बनने के प्रयास में थे. ओपी राजभर ने आगे लिखा, 'देशभक्ति और समाजवाद का गीत बज रहा था. पूरा माहौल आपसी 'भाई और चारे' का था. अचानक से 'वाईपी' यानी 'यादववादी पार्टी' के सेक्टर अध्यक्ष की दमदार एंट्री होती है, जो यादव है. कार्यक्रम के माहौल के साथ मंच का गीत बदल जाता है. अखिलेश यादव की पार्टी का फेवरेट गीत 'भइया के आवे दे सत्ता में, कट्टा सटा के उठा लेंगे घारा से' बजना शुरू हो जाता है और सेक्टर अध्यक्ष पूर्व मंत्री समेत जिलाध्यक्ष को उनकी हैसियत बताना शुरू कर देता है. उन्होंने आगे लिखा, 'अखिलेश यादव का सेक्टर अध्यक्ष कहता है कि यादवों कि पार्टी का कार्यक्रम है, मंच पर तुम लोग कैसे बैठ गए? तमतमाए सेक्टर अध्यक्ष के सामने सबकी हिम्मत जवाब दे जाती है. कईयों की घिग्घी बंध जाती है. सेक्टर अध्यक्ष के अखिलेश यादव का स्वजातीय होने का डर मंच पर बैठे सभी लोगों के ख्याल में आ जाता है. कहीं भइया जी से कह दिया तो? वहीं बेचारे दलित नेता अखिलेश यादव के सेक्टर अध्यक्ष की गाली खाते-खाते पस्त हो जाते हैं.

कौशांबी में एलपीजी टैंकर का टोल से टकराने का वीडियो : टैंकर फटते ही गैस फैली, जनरेटर की चिंगारी से भड़की आग, अब तक 5 की मौत

कौशांबी। कौशांबी में एलपीजी टैंकर के टोल प्लाजा से टकराने का वीडियो सामने आया है। इसमें दिख रहा है कि टोल प्लाजा से टकराने के बाद टैंकर फट गया। गैस लीक होने लगी। चंद सेकंड में 30-40 फीट तक गैस फैल गई।

टोल प्लाजा पर ही जेनरेटर चल रहा था। गैस जेनरेटर तक पहुंची और तेज धमाका हुआ। चारों तरफ आग ही आग फैल गई। 25-30 फीट ऊंची लपटें उठने लगीं। हादसा 26 जून को कोखराज थाने के सिरोही टोल प्लाजा में सुबह 6.38 पर हुआ था। टैंकर ड्राइवर समेत 5 लोगों की मौत हो गई थी। ड्राइवर की जिंदा जलकर टैंकर के अंदर ही मौत हो गई थी। जबकि, बाकी 3 टोलकर्मी और राहगीर की इलाज के दौरान मौत हुई। एक घायल का प्रयागराज में इलाज चल रहा है। गुरुवार रात 10 बजे इसका सीसीटीवी सामने आया है। हादसे के बाद टोल प्लाजा पर लगे सारे सीसीटीवी और सिस्टम बर्बाद हो गए थे। बाद में एक्सपर्ट्स ने सर्वर से सीसीटीवी फुटेज रिकवर किए। सीसीटीवी में दिख रहा है कि दो एलपीजी टैंकर एक साथ दो अलग-अलग लेन पर आते हैं। नंबर-1 लेन वाला एलपीजी टैंकर अचानक टोल बैरियर की दीवार से टकराता है। टकराते ही टैंकर फट जाता है और तेज आवाज के साथ गैस लीक होने लगती है। कुछ ही मिनटों में धुएं जैसी गैस पूरे टोल प्लाजा परिसर में फैल जाती है। गैस लीकेज के दौरान दो गाड़ियां दूसरी लेन से तेजी से निकलती हैं। बाकी गाड़ियां खतरे को देखते हुए 100 मीटर पहले ही खड़ी हो जाती हैं। दूसरी लेन वाला टैंकर टोल गेट पार कर निकल जाता है। तीन मिनट 31 सेकेंड बाद अचानक गैस टोल प्लाजा की बिल्डिंग में चल रहे जेनरेटर तक पहुंच जाती है और साइलेंसर की चिंगारी से आग लग जाती है। गैस लीकेज के दौरान टोल कर्मी भी टोल प्लाजा छोड़कर भागते नजर आते हैं। कुछ ही मिनटों में आग ने पूरे टोल प्लाजा को अपनी चपेट में ले लिया। थोड़ी देर में प्लाजा जलकर राख हो गया। यार्ड में खड़ी 16 बाइकें और दो कारें भी आग की चपेट में आकर जल गईं। हादसे के बाद सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने करीब 30 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। जब टीम ने टैंकर की जांच की तो चालक धर्मेंद्र दुबे (40) की हड्डियां मिलीं।

कानुपर : बंधक बना खाते में मंगवाए 4.93 करोड़, 5 दिन में 32800 खातों में किए ट्रांसफर; ठग ने डोनेशन के नाम पर बुलाया लखनऊ

(यंग भारत न्यूज)

कानपुर। साइबर ठगों का एक ऐसा गिरोह सक्रिय है, जो सामाजिक संस्थाओं को डोनेशन देने के बहाने बुलाकर बंधक बना उनके खाते में ठगी की रकम मंगवाता व फिर दूसरे खातों में भेज देता है। सामाजिक संस्था के सचिव एक शिक्षक के साथ भी ऐसा हुआ। ठगों के इस गिरोह के जाल में फंसने पर एक लाख रुपये डोनेशन मिलने की आस पर वह लखनऊ पहुंच गए।

वहां होटल के कमरे में उन्हें बंधक बनाकर मोबाइल फोन कब्जे में लिया व उनके एक्सिस बैंक के खाते में ठगी के 4.93 करोड़ रुपये मंगवा लिए। पीड़ित शिक्षक का आरोप है कि बैंक से पता चला कि पूरी रकम 32,800 बैंक खातों में ट्रांसफर की गई है। इस मामले में शिक्षक के बैंक खाते के खिलाफ 52 शिकायतें नेशनल क्राइम रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) में दर्ज हुईं। कल्याणपुर के नवशीलधाम फेज-2 निवासी आशीष कुमार सिंह ने बताया कि वह एक विद्यालय में गणित के शिक्षक हैं। इसके साथ ही रुद्र समागम सेवा एवं शिक्षा समिति के सचिव हैं। उन्होंने बताया कि 19 नवंबर 2025 को राहुल नाम के व्यक्ति ने उन्हें काल की व संस्था की प्रशंसा करते हुए एक लाख रुपये डोनेशन देने की इच्छा जताई। इसके बाद दस्तावेजों संग लखनऊ बुलाया। अगले दिन वह लखनऊ में सुलतानपुर रोड स्थित अवध ओ पंच रिसार्ट पहुंचे। आरोप है कि वहां राहुल व उसके साथियों ने उन्हें बंधक बनाकर फोन छीन लिया। उसी मोबाइल फोन पर संस्था के बैंक खाते का वन टाइम पासवर्ड (ओटीपी) आता था। इसके बाद आरोपित लैपटाप के माध्यम से संस्था के एक्सिस बैंक खाते में संदिग्ध लेनदेन करने लगे। जब फोन पर संदिग्ध मैसेज देखकर संस्था के अध्यक्ष ने खाता ब्लाक कराया तो आरोपितों ने उनको जान से मारने की धमकी दी। इस पर उन्होंने खाता फिर से चालू कराया। आरोपितों ने 21 व 22 नवंबर की रात तक उन्हें बंधक बनाकर रखा। 22 की रात में उन्हें घर छोड़ा, लेकिन कहा कि उनके खाते में 4.93 करोड़ रुपये आए हैं, जिन्हें अलग-अलग खातों में ट्रांसफर किया गया है, जिनके ट्रांजेक्शन प्रक्रिया में हैं। अगर रुपये फंसे तो पूरे परिवार को मार देंगे। दो दिन बाद फिर बुलाकर धमकाया। डीसीपी पश्चिम एसएम कासिम आबिदी ने बताया कि कल्याणपुर थाने में आरोपित राहुल, इमरान और राहुल के साथी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई है। सर्विलांस की मदद से आरोपितों के मोबाइल नंबरों की लोकेशन ट्रेस करने पर तीनों आरोपित रडार पर आए हैं। उनकी गिरफ्तारी के लिए देर रात पुलिस टीम लखनऊ भेजी गई है।

यूपी में मदरसों के 'विदेशी कनेक्शन' को खंगालेगी एटीएस, हाईकोर्ट की हरी झंडी के बाद एक्शन की तैयारी

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ। मदरसों में विदेशी चंदा, अज्ञात स्रोतों से आय की एटीएस (आतंकवाद रोधक इकाई) जांच पर रोक के लिए दाखिल याचिका हाईकोर्ट से खारिज होने के बाद इस प्रकरण में जांच में तेजी आने की संभावना बढ़ गयी है।

राज्य में संचालित मान्यता और गैर मान्यता प्राप्त 4000 हजार मदरसों को अज्ञात स्रोतों और विदेशी सहायता दिये जाने की सरकार से शिकायत हुई थी। इस मामले में सरकार ने एसआईटी बनायी थी। 17 दिसंबर 2025 को आतंकवाद रोधी इकाई (एटीएस) के आईजी की अध्यक्षता में हुई बैठक में तीन बिन्दुओं की जांच का निर्णय किया गया। अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के तत्कालीन निदेशक अंकित कुमार अग्रवाल ने नौ जनवरी 2026 को डीएमओ (जिला अल्पसंख्यक अधिकारी) को भेजे निर्देश में कहा कि मदरसों की जांच कर एटीएस कर रही है। मदरसा प्रबंधकों के बैंक खातों में लेनदेन का सत्यापन कराया जाए। स्पष्ट रूप से लिखा गया था कि कुछ मदरसे बिना स्थायी आय बड़े भवनों में संचालित हैं। भवनों का निर्माण कैसे हुआ, इसके आय के स्रोत मदरसा संचालक नहीं बताते हैं। इनकी गहनता से जांच करायी जाये।स्थानीय स्रोत, खुफिया इकाइयों की मदद से विदेशी फंडिंग की जानकारी जुटाकर रिपोर्ट उपलब्ध करायी जाए। इस कार्रवाई के बीच एटीएस की विभिन्न इकाइयों ने डीएमओ से से उनके जिले के मदरसों की संख्या, छात्रों का नाम, मोबाइल नंबर, मूल पते की जानकारी मांगनी शुरू कर दी। जांच के रफ्तार पकड़ने पर मदरसा प्रबंध समिति और मदरसा टीचर एसोसिएशन ने एटीएस जांच के खिलाफ 11 फरवरी को हाइकोर्ट की इलाहाबाद बेंच में याचिका दाखिल की, जिसमें एटीएस अधिकारियों को पार्टी बनाते हुए जांच रोकने की मांग की थी। अदालत ने प्रकरण पर सुनवाई करते हुए स्थगन आदेश तो नहीं दिया लेकिन सरकार, एटीएस को नोटिस जारी कर दिया। इससे एटीएस जांच थोड़ी शिथिल हो गयी। एक जुलाई को इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति विवेक सरन और न्यायमूर्ति नीरज तिवारी की बेंच मदरसा प्रबंधकों की जांच रोकने की याचिका को खारिज कर दिया। डिवीजन बेंच ने अपने आदेश में कहा कि तथ्यों को देखते हुए कोर्ट का दृढ मत है कि जांच को याचिकाकर्ताओं के खिलाफ जबरदस्ती की कार्रवाई नहीं कहा जा सकता। अब एटीएस अधिकारियों का कहना है कि जांच रूकी नहीं थी। अब इसमें तेजी आ सकती है।

दूल्हे का नागिन डांस देख भड़की दुल्हन; बोली- नशेबाज से शादी नहीं करूंगी, बाराती-घराती भिड़े

(यंग भारत न्यूज)

चौबेपुर थाना क्षेत्र के हुल्कापुर गांव में एक शादी उस समय टूट गई, जब दूल्हा शराब के नशे में धुत होकर जयमाल समारोह में पहुंचा। स्टेज पर चढ़ते ही वह संतुलन खोकर गिर पड़ा और अजीब हरकतें करने लगा।

दूल्हे की हालत देखकर दुल्हन ने शादी करने से साफ इनकार कर दिया। इसके बाद बारातियों और लड़की पक्ष के लोगों के बीच विवाद बढ़ गया और मारपीट की नौबत आ गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को शांत कराया।जानकारी के अनुसार, चौबेपुर के हुल्कापुर गांव में शोभन बेरी सवाई से बारात आई थी। शादी की रस्मों के तहत पहले तिलक की रस्म पूरी हुई, जिसके बाद बारात का स्वागत किया गया। जयमाल समारोह के लिए जब दूल्हे को स्टेज पर बुलाया गया तो वह कथित रूप से शराब के नशे में था। स्टेज पर पहुंचते ही उसका संतुलन बिगड़ गया और वह गिर पड़ा। मौके पर मौजूद लोगों के अनुसार, इसके बाद वह नागिन डांस करने लगा, जिससे समारोह में मौजूद लोग हैरान रह गए। दूल्हे की इस हालत की जानकारी मिलते ही दुल्हन स्टेज पर पहुंची। उसने दूल्हे को नशे में देखकर तुरंत शादी से इनकार कर दिया। दुल्हन के इस फैसले के बाद दोनों पक्षों के बीच तीखी नोकझोंक शुरू हो गई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना पर चौबेपुर थाना पुलिस पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। घटना के बाद दोनों पक्षों को थाने बुलाया गया, जहां पूरे दिन पंचायत और समझौते का प्रयास चलता रहा। हालांकि दुल्हन अपने निर्णय पर अडिग रही। उसने साफ कहा कि वह शराब के नशे में धुत व्यक्ति के साथ अपना जीवन नहीं बिता सकती और किसी भी कीमत पर उससे शादी नहीं करेगी। चौबेपुर थाना प्रभारी दुर्गेश मिश्रा ने बताया कि मामला संज्ञान में है। प्रारंभिक जांच में दूल्हे के नशे में होने की बात सामने आई है। वहीं, लड़की पक्ष ने यह भी आरोप लगाया है कि लड़के वालों ने शादी के दौरान एक लाख रुपये अतिरिक्त दहेज की मांग की थी। पुलिस दोनों पक्षों के आरोपों की जांच कर रही है। शिकायत के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल घटना क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है।

पेनल्टी पर दागे गोल से बेल्जियम ने अतिरिक्त समय में सेनेगल को हराया

सिएटल

बेल्जियम ने दो गोल से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी करते हुए यहां सेनेगल को 3-2 से हराकर फुटबॉल विश्व कप के प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। बेल्जियम ने निर्धारित समय के अंतिम लम्हों में दो गोल दागकर स्कोर 2-2 किया और फिर अतिरिक्त समय में पेनल्टी पर यूरी टिलेमैन्स के गोल से जीत दर्ज की।

टिलेमैन्स ने 89वें मिनट में जर्मनी को बराबरी दिलाई और फिर अतिरिक्त समय के इंजरी टाइम में पेनल्टी पर गोल किया जो विश्व कप के इतिहास का सबसे देर से हुआ गोल था। बेल्जियम का अगला मुकाबला सोमवार को सिएटल में अमेरिका और बोस्निया-हर्जेगोविना के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

पिछले 11 विश्वकप में सिर्फ दूसरा मौका

बेल्जियम की यह जीत पिछले 11 विश्व कप में सिर्फ दूसरा मौका थी जब किसी टीम ने नॉकआउट दौर में दो या उससे अधिक गोल से पिछड़ने के बाद अगले दौर में जगह बनाई। बेल्जियम ने 2018 टूर्नामेंट के प्री क्वार्टर फाइनल में जापान के खिलाफ 3-2 की जीत के दौरान भी ऐसा ही किया था। रूस में तब तीसरे स्थान पर रही बेल्जियम की उस टीम के कई अहम खिलाड़ी बुधवार की जीत में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे थे।

लुकाकू व टिलेमैन्स ने दागे गोल

बेल्जियम के लिए सबसे अधिक गोल करने वाले स्ट्राइकर रोमेलु लुकाकू स्थानापन्न खिलाड़ी के तौर पर उतरे और 88वें मिनट में गोल करके बेल्जियम की वापसी की उम्मीद जगाई। तीन मिनट बाद टिलेमैन्स ने बेल्जियम के लिए एक और गोल करके मैच को अतिरिक्त समय में खींचा और फिर पेनल्टी पर गोल करके अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की।

बेलोगन ने बोस्निया-हर्जेगोविना के खिलाफ अमेरिका को जीत दिलाई पर लाल कार्ड मिला

सेंटा क्लारा

फोलेरिन बेलोगन ने विश्व कप के राउंड ऑफ 32 मैच में बोस्निया-हर्जेगोविना के खिलाफ टूर्नामेंट का अपना तीसरा गोल करके अमेरिका को बढ़त दिलाई लेकिन दूसरे हाफ की शुरुआत में उन्हें लाल कार्ड मिला जिससे मेजबान टीम को 2-0 की जीत के दौरान बाकी मैच 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा।

बेलोगन ने एनबीए के लेब्रोन जेम्स के 'द साइलेंसर' मुद्रा के साथ दो बार गोल का जश्न मनाया। उन्होंने पहली बार जब गोल किया था तो ऑफ साइड के कारण गोल को अमान्य कर दिया गया। यह टूर्नामेंट में उनका तीसरा और कुल मिलाकर 12वां अंतरराष्ट्रीय गोल था।

गोल करने के बाद बाहर होने वाले दुनिया के तीसरे खिलाड़ी

तारिक मुहरेमोविच के दाहिने टखने पर पैर रखने के कारण उन्हें ब्राजील के रैफरी राफेल क्लॉस ने 64वें मिनट में लाल कार्ड दिखाया। क्लॉस ने शुरू में कार्ड का संकेत नहीं दिया लेकिन वीडियो रिव्यू के बाद बेलोगन को लाल कार्ड दिखाया। बेलोगन विश्व कप नॉकआउट मैच में गोल करने और फिर बाहर भेजे जाने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए। उनसे पहले 2002 में इंग्लैंड के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में ब्राजील के रोनाल्डिन्हो और 2006 में इटली के खिलाफ फाइनल में फ्रांस के जिनेदिन जिदान के साथ ऐसा हो चुका है। बेलोगन अब सोमवार को बेल्जियम के खिलाफ होने वाले प्री क्वार्टर फाइनल मैच से निलंबित रहेंगे। इससे पहले 31वें मिनट में ऑफ साइड के कारण बेलोगन का गोल अमान्य होने के बाद उन्होंने 45वें मिनट में अमेरिका को बढ़त दिलाई। गेंद मुहरेमोविक के पैर से टकराकर बेलोगन के सामने आई और उन्होंने अपने बाएं पैर से दनदनाता हुआ शॉट लगाकर गोलकीपर निकोला वासिलज को छकाकर गोल कर दिया। टिलमैन ने इसके बाद दूसरे हाफ में 82वें मिनट में एक और गोल दागकर अमेरिका की जीत सुनिश्चित की। बेलोगन विश्व कप में सबसे अधिक गोल करने वाले अमेरिकी खिलाड़ियों की सूची में दूसरे नंबर पर आ गए हैं। उनसे आगे सिर्फ बर्ट पेटेनौड हैं जिन्होंने 1930 के पहले टूर्नामेंट में चार गोल किए थे।

खबर संक्षेप

शाहरुख ने एलए नाइट राइडर्स स्टेडियम का किया उद्घाटन

कैलिफोर्निया। बॉलीवुड के सुपरस्टार शाहरुख खान ने कैलिफोर्निया के पोमोना में एलए नाइट राइडर्स क्रिकेट स्टेडियम का आधिकारिक उद्घाटन किया। यह मैदान मेजर लीग क्रिकेट में एलए नाइट राइडर्स टीम का घरेलू मैदान होगा। इसके साथ-साथ आगामी ओलंपिक में भी इसका उपयोग किया जाएगा। बता दें कि शाहरुख नाइट राइडर्स ग्रुप के सह-मालिक हैं। इस कदम को अमेरिका में क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता के तौर पर भी देखा जा रहा है। शाहरुख ने एक्स पर किया पोस्ट शाहरुख ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'जो एक सपना था, वह आज हकीकत बन गया है। आप सभी का एलए के नाइट राइडर्स क्रिकेट ग्राउंड में स्वागत है।

ग्रीनलैंड और फेरो आइलैंड को ओलंपिक टीम का दर्जा नहीं देंगे : आईओसी

लुसाने। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने कहा कि डेनमार्क की संसद के अनुरोध के बावजूद ग्रीनलैंड और फेरो आइलैंड को अलग और स्वतंत्र ओलंपिक टीम के तौर पर मान्यता नहीं दी जाएगी। ओलंपिक चार्टर में 30 साल से उस देश को ही आधिकारिक टीम रखने की इजाजत है जिसे 'अंतरराष्ट्रीय समुदाय द्वारा मान्यता प्राप्त स्वतंत्र देश' माना जाता है। आईओसी ने बयान में कहा कि ग्रीनलैंड और फेरो आइलैंड डेनमार्क के अंतर्गत अर्ध स्वायत्त क्षेत्र हैं और इस मानक को पूरा नहीं करते हैं। लॉस एंजिल्स में 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों का उद्घाटन औपचारिक रूप से राष्ट्रपति ट्रंप करेंगे।

दो टेस्ट मैच की सीरीज खेलने भारतीय टीम का श्रीलंका दौरा अगस्त में

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम अगस्त में श्रीलंका का दौरा करेगी और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-2027 के तहत टेस्ट सीरीज में हिस्सा लेगी। 2 मैचों की टेस्ट सीरीज की शुरुआत 15 अगस्त से होने वाले मैच से होगी। इसके बाद दूसरा टेस्ट मैच 23 अगस्त से होना है। पहला टेस्ट गॉल में और दूसरा टेस्ट कोलंबो में खेले जाने हैं। दिलचस्प रूप से भारतीय टीम लगभग एक दशक के बाद श्रीलंका दौरे पर कोई टेस्ट सीरीज खेलेगी। भारतीय टीम ने 2017 में आखिरी बार श्रीलंका की धरती पर 3 मैचों की टेस्ट सीरीज खेली थी। तब विराट कोहली की कप्तानी वाली टीम ने सीरीज को क्लीन स्वीप किया था।

फाइल फोटो

फुटबॉल के साथ लुचा लिब्रे भी बना फुटबॉल विश्व कप का बड़ा आकर्षण

मेक्सिको सिटी

फुटबॉल के साथ-साथ मेक्सिको की विश्वप्रसिद्ध लुचा लिब्रे (मुखौटा कुश्ती) भी विश्व कप देखने पहुंचे पर्यटकों के लिए सबसे बड़े आकर्षणों में शामिल हो गई है। रंग-बिरंगे मुखौटे पहने पहलवानों से सजी सड़कें और खचाखच भरे अखाड़े इस पारंपरिक खेल की लोकप्रियता का प्रमाण हैं। दुनिया भर से आए फुटबॉल प्रशंसक मेक्सिको की इस प्रतिष्ठित सांस्कृतिक विरासत के रंग में पूरी तरह रंगते नजर आ रहे हैं। फुटबॉल के साथ-साथ लुचा लिब्रे भी मेक्सिको की राष्ट्रीय पहचान और जुनून का अभिन्न हिस्सा है। कुश्ती के अखाड़ों में प्रवेश करते ही दर्शक कुछ घंटों के लिए फुटबॉल विश्व कप का रोमांच भूलकर एक अलग ही दुनिया में पहुंच जाते हैं। स्टेडियमों के बाहर अब राष्ट्रीय झंडों के साथ-साथ लुचा लिब्रे के मुखौटे भी बड़ी संख्या में बिकते दिखाई देते हैं।

यमाल स्पेन के लिए नॉकआउट मैच खेलने फिट : कोच

इंगलवुड (अमेरिका)

कोच लुई डे ला फुएंते ने कहा कि 18 साल के लैमिन यमाल अब इतने फिट हैं कि जरूरत पड़ने पर स्पेन के लिए पूरा विश्व कप मैच खेल सकते हैं। बार्सिलोना के इस विंगर ने स्पेन के तीन ग्रुप मैच में सिर्फ 141 मिनट खेलते हुए एक गोल किया। इस तरह वह शायद इकलौते ऐसे सुपरस्टार हैं जिन्होंने सितारों से भरे मौजूदा विश्व कप में कोई खास कमाल नहीं दिखाया है। यमाल को 22 अप्रैल को पैर की मांसपेशियों में चोट लगी थी जिसके बाद उनके उबरने की प्रक्रिया को बेहतर बनाने के लिए स्पेन ने उनके खेलने के समय को सीमित रखा था। नॉकआउट मुकाबले से पहले डे ला फुएंते ने सोफी स्टेडियम में संवाददाताओं से बात करते हुए संकेत दिया कि यमाल के उबरने की प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है। स्पेन की टीम राउंड ऑफ 32 मैच में ऑस्ट्रिया का सामना करेगी। पैर की मांसपेशियों में चोट के कारण ला लीगा सत्र के आखिरी छह मैच नहीं खेलने के बावजूद यमाल ने बार्सिलोना के लिए सभी प्रतियोगिताओं में 24 गोल किए और 17 गोल करने में मदद की।

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज सीयर्स बाहर, लिस्टर खेलेंगे वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज

ऑकलैंड

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज बेन सियर्स टखने की चोट के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली आगामी वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह 16 खिलाड़ियों वाली टीम में बेन लिस्टर को शामिल किया गया है।

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने बताया कि सियर्स को मई में आयरलैंड के खिलाफ चार दिवसीय टेस्ट मैच के बाद से ही टखने में लगातार दर्द महसूस हो रहा था। इंग्लैंड के खिलाफ ट्रेंट ब्रिज में खेले गए तीसरे टेस्ट के आखिरी दिन यह दर्द और बढ़ गया इसलिए एहतियात के तौर पर उन्हें आगे के इलाज के लिए न्यूजीलैंड वापस भेजने का फैसला किया गया है। लिस्टर आने वाले दिनों में गुयाना में टीम के साथ जुड़ेंगे।

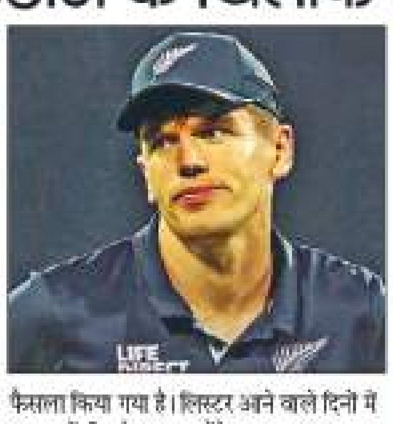

कई प्रमुख खिलाड़ी नहीं हैं उपलब्ध

न्यूजीलैंड के कई प्रमुख खिलाड़ी इस वनडे सीरीज के लिए उपलब्ध नहीं हैं। साल के पहले हिस्से में ज्यादा मैच खेलने वाले काइल जैमीसन, मैट हेनरी और विल ओ'रूर्के को आराम दिया गया है। ब्लेयर टिकनर के टखने की सर्जरी होनी है। इंग्लैंड टेस्ट सीरीज के दौरान अपने दूसरे बच्चे के जन्म के कारण डेवोन कॉनवे इस दौरे पर नहीं जा पाएंगे, वहीं रचिन रविंद्र मेजर लीग क्रिकेट में हिस्सा लेने के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे।

ऐसी है न्यूजीलैंड की टीम

मिचेल सैंटनर टीम की कप्तानी करेंगे, जबकि माइकल ब्रेसवेल, जेडन लेनॉक्स और डीन फॉक्सक्रॉफ्ट कैरेबियाई की धीमी पिचों पर स्पिन के विकल्प देंगे।

अंडर-20 एशियन कुश्ती प्रतियोगिता : अक्षय ने रजत और अनुज ने कांस्य पदक कब्जाया

रोहतक

थाईलैंड में आयोजित की जा रही अंडर-20 एशियन कुश्ती प्रतियोगिता में भारतीय पहलवानों का शानदार प्रदर्शन लगातार जारी है। प्रतियोगिता के दौरान देश के दो होनहार युवा खिलाड़ियों ने मैट पर अपने बेहतरीन दांव-पेंच का लोहा मनवाते हुए देश की झोली में दो पदक जीते। इसमें 97 किलोग्राम में उत्तर प्रदेश के अक्षय राणा ने रजत पदक जीता। 67 किलोग्राम में हिसार के अनुज ने कांस्य पदक जीता।

अनुज रोहतक के देव कॉलोनी स्थित मेहर सिंह अखाड़े में कोच रणबीर ढाका के पास अभ्यास करता है। कोच रणबीर ढाका, अखाड़ा संचालक मोहित मलिक, कोच रवि, कोच सोनू, कोच रिंकू ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी।

अनुज ने 2018 में शुरू की कुश्ती

अनुज ने बताया कि उसने 2018 में कुश्ती खेलना शुरू किया था। पिता कुलदीप किसान, मां सुनीता गृहिणी व तीन भाई-बहन हैं। पहलवान अनुज का प्रदेश स्तर पर बेहद शानदार ट्रैक रिकॉर्ड रहा है। वह इससे पहले लगातार तीन बार नेशनल चैंपियन रह चुके हैं। अप्रैल 2025 में महाराष्ट्र में आयोजित खेलो इंडिया प्रतियोगिता में रजत पदक जीता। मई 2025 में आयोजित कैडेट नेशनल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता।

पहले दिन प्रज्ञानानंदा संयुक्त दूसरे स्थान पर

जाग्रेब (क्रोएशिया)

ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंद ने ग्रैंड चेस टूर के जाग्रेब चरण में जर्मनी के शीर्ष खिलाड़ी विंसेंट कीमर को हराकर अपने अभियान की शुरुआत की लेकिन अगली दो बाजियां ड्रॉ खेली और रैपिड वर्ग के पहले दिन संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे।

प्रज्ञानानंद ने बुधवार को फ्रांस के मैक्सिम वाचियेर लाग्रेव और अपने ही देश के विश्व चैंपियन डी गुकेश के साथ कड़े मुकाबले के बाद बाजी ड्रॉ खेली और दिन का अंत चार अंक के साथ किया।

फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा शीर्ष पर

फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा अपनी शुरुआती दो बाजी जीतकर और फिर तीसरे दौर में नीदरलैंड के अनीश गिरी के साथ ड्रॉ खेलकर पांच अंक के साथ शीर्ष पर हैं। रैपिड प्रारूप में हर जीत के लिए दो अंक मिलते हैं। फिरोजा ने प्रज्ञानानंदा, गिरी, वाचियेर-लाग्रेव और कीमर पर बढ़त बना रखी है जिन सभी के चार अंक हैं। कीमर ने पहले दौर में हार के बाद दो जीत के साथ वापसी की थी।

प्रज्ञानानंद ने 26 चाल में जीत हासिल की

नौवें शतरंज का खिताब जीतने वाले प्रज्ञानानंद ने कीमर के खिलाफ आक्रामक खेल दिखाया और सीधे विरोधी राजा पर हमला करते हुए सिर्फ 26 चाल में जीत हासिल की। भारतीय खिलाड़ी का मुकाबला वाचियेर-लाग्रेव से ड्रॉ रहा जिन्होंने विश्व चैंपियन गुकेश पर शानदार जीत के साथ शुरुआत की थी।

गुकेश ने क्रोएशिया के खिलाड़ी को हराया : फ्रांसीसी खिलाड़ी से हारने के तुरंत बाद गुकेश ने लय वापस पा ली और दूसरे दौर में क्रोएशिया के इवान सारिक को आसानी से हरा दिया।

खेल मंत्रालय की मेजबानी में अगले छह महीने में भारत में 11 अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट

नई दिल्ली। भारत में अगले छह महीने में बैडमिंटन विश्व चैम्पियनशिप समेत 11 अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट खेले जाने हैं और खेल मंत्रालय ने बेहतरीन मेजबानी का आश्वासन देते हुए कहा है कि खराब आयोजन जैसी अतीत की घटनाओं का दोहराव नहीं होगा। बैडमिंटन विश्व चैम्पियनशिप 17 अगस्त से इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम पर खेली जायेगी जहां इस साल जनवरी में इंडिया ओपन के दौरान स्वच्छता और रखरखाव से जुड़े मसले को लेकर विदेशी खिलाड़ियों ने काफी आलोचना की थी।

सभी सुविधाएं होंगी शीर्ष स्तर की : मंत्रालय

खेल मंत्रालय के एक सूत्र ने कहा, '' हम यह सुनिश्चित करेंगे कि सभी सुविधायें शीर्ष स्तर की हों। मंत्रालय तैयारियों पर नजर रखे हुए है। हम नकारात्मक धारणा को बदलने के लिये काम कर रहे हैं।''

पीएसए चैलेंजर

सेंथिलकुमार और तन्वी ने किया सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई

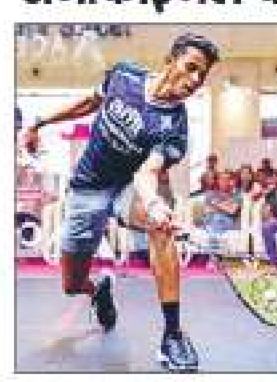

मुंबई

भारत के सर्वोच्च खिलाड़ी वेलावन सेंथिलकुमार और तन्वी खन्ना ने बृहस्पतिवार को यहां एचसीएल-एसआरएफआई पीएसए चैलेंजर टूर्नामेंट में विपरीत अंदाज में जीत दर्ज करते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाई। सेंथिलकुमार ने मुश्किल शुरुआत के बाद मिस्र के चौथे वरीय अब्दुल्लाह हफीज को 15-13, 11-4, 11-3 से शिकस्त दी और अब सेमीफाइनल में उनका सामना मिस्र के दूसरे वरीय यासिन शोहदी से होगा।

वहीं तन्वी ने जापान की आठवीं वरीयता प्राप्त जो फु के खिलाफ एक गेम गंवाया लेकिन 11-6, 11-7, 8-11, 11-6 से जीत दर्ज करने में सफल रहीं। सेमीफाइनल में तन्वी का सामना जापान की छठी वरीय अकारी मिदोरिकावा से होगा।

डोप उल्लंघन करने वालों की सूची में भारत टॉप पर

नई दिल्ली। एथलेटिक्स इंटीग्रिटी यूनिट (एआईयू) की डोपिंग उल्लंघन करने वालों की वैश्विक सूची में भारत 162 नाम के साथ सबसे ऊपर बना हुआ है। यह एक बार फिर उस बड़ी समस्या को दिखाता है जो देश के खेल जगत को प्रभावित कर रही है। इस सूची में केन्या 148 नाम के साथ दूसरे स्थान पर है जबकि तीसरे स्थान पर रूस है जहां 60 से अधिक मामले मिले हैं। इस सूची में डोपिंग उल्लंघन के लिए प्रतिबंध झेल रहे लोग शामिल हैं। इसमें वे लोग भी शामिल हैं जिन्होंने डोपिंग के अलावा अन्य उल्लंघन किए हैं जैसे कि नमूने से छेड़छाड़, परीक्षण से बचना, तस्करी या अपने रहने के स्थान की जानकारी नहीं देना। इन उल्लंघनों के लिए भी डोपिंग उल्लंघन जैसी ही सजा मिलती है।

कनाडा ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट

श्रीकांत रिटायर हुए : अकर्षी, तान्या कनाडा ओपन के दूसरे दौर में

मार्खम (कनाडा)

भारत के अनुभवी शटलर किदांबी श्रीकांत ने फिटनेस संबंधी परेशानी के कारण कनाडा ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के अपने पहले दौर का मुकाबला बीच में ही छोड़ दिया तो वहीं महिला एकल में तान्या हेमनाथ और आकर्षि कश्यप दूसरे दौर में पहुंचने वाली भारत की चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल रहे।

पिछले रविवार को यूएस ओपन 300 में उपविजेता रहे 33 साल के श्रीकांत पुरुष एकल के पहले दौर में मलेशिया के पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता ली जी जिया के खिलाफ 10-11 से पिछड़ रहे थे। इसी दौरान उन्होंने कोच बी. साई प्रणीत से चर्चा के बाद मैच से हटने का फैसला किया।

अब झांग व गुंजी से मुकाबला

महिला एकल में आकर्षि कश्यप ने फ्रांस की अन्ना तातरनोवा को 21-14, 21-12 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया, जहां उनका सामना अमेरिका की चौथी वरीयता प्राप्त बेईवेन झांग से होगा। दूसरी ओर तान्या हेमनाथ ने अमेरिका की विन्ना गुप्ता को 21-16, 21-18 से शिकस्त दी और अब उनका मुकाबला जापान की रिको गुंजी से होगा।

नौ खिलाड़ियों में से 7 पहले दौर में बाहर

भारतीय खिलाड़ियों के लिए कुल मिलाकर दिन निराशाजनक रहा। बुधवार को उतरे नौ भारतीय खिलाड़ियों में से सात पहले ही दौर में बाहर हो गए। पांचवीं वरीयता प्राप्त देविका सिहाग चीनी ताइपे की तुंग सिउ-तोंग से 14-21, 15-21 से हार गईं। कनाडा की रेचल चान के खिलाफ रक्षिता रामराज ने कड़ा संघर्ष किया लेकिन 15-21, 21-14, 15-21 से हारकर बाहर हो गईं। इस साल अबू धाबी में अल ऐन मास्टर्स सुपर 100 का खिताब जीतने वाली श्रियांशी वालिशेट्टी को चीनी ताइपे की हुआंग चिंग पी के हाथों 9-21, 18-21 से पराजय झेलनी पड़ी। अनमोल खरब ने शीर्ष वरीयता प्राप्त मेजबान खिलाड़ी मिशेल ली को कड़ी टक्कर दी, लेकिन 6-21, 26-24, 13-21 से मुकाबला गंवा बैठीं।

पुरुष खिलाड़ियों का प्रदर्शन

पुरुष एकल में सतीश करुणाकरन और शंकर सुब्रमण्यम भी पहले दौर की बाधा पार नहीं कर सके। सतीश को जापान के तीसरे वरीयता प्राप्त युशी ओकिमोटो ने 21-7, 21-11 से हराया, जबकि शंकर को दक्षिण कोरिया के यू ते-बिन ने 19-21, 21-15, 21-15 से मात दी। पुरुष युगल में भारत की एकमात्र जोड़ी अच्युतादित्य राव दोड्डावरापु और अर्जुन रेड्डी पोथला भी शुरुआती दौर में हारकर प्रतियोगिता से बाहर हो गई।

बच्चो, इन दिनों सबसे पॉपुलर खेलों में से एक फुटबॉल वर्ल्ड कप का आयोजन अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में संयुक्त रूप से हो रहा है। 11 जून से शुरू हुआ फीफा वर्ल्ड कप 19 जुलाई को समाप्त होगा। क्या तुम जानते हो कि फुटबॉल की शुरुआत कैसे हुई, यह वर्तमान स्वरूप में कैसे पहुंचा? यहां हम इनके बारे में तुम्हें बता रहे हैं। साथ ही फुटबॉल के महान खिलाड़ियों और इससे जुड़े कुछ रोचक फैक्ट्स के बारे में भी जानकारी दे रहे हैं।

जोश-जुनून से भरपूर रोमांचक खेल फुटबॉल

स्पोर्ट्स नॉलेज

शिखर चंद जैन

बच्चो, फुटबॉल दुनिया के सबसे लोकप्रिय खेलों में से एक है। इसे 'द ब्यूटीफुल गेम' भी कहा जाता है। अधिकतर देशों में लोग फुटबॉल बड़े चाव से खेलते हैं। इन दिनों फुटबॉल की चर्चा इसलिए भी हर तरफ हो रही है, क्योंकि बीते 11 जून से फीफा वर्ल्ड कप का आयोजन किया जा रहा है। अरबों लोग इस खेल टूर्नामेंट को टीवी या डिजिटल प्लेटफॉर्म पर देख रहे हैं। तुम भी अलग-अलग देशों की फुटबॉल टीमों के रोमांचक मुकाबले देख रहे होगे। हालांकि आज का आधुनिक फुटबॉल खेल हमेशा से ऐसा नहीं था। यह खेल हजारों वर्षों में कई बदलावों से गुजरकर अपने वर्तमान स्वरूप तक पहुंचा है।

प्राचीन काल में हुई शुरुआत: फुटबॉल की शुरुआत लगभग 2,000 साल पहले चीन में खेले जाने वाले 'सु-जू' नामक खेल से मानी जाती है। इसमें खिलाड़ी चमड़े की गेंद को बांस के खंभों के बीच लगे जाल में पहुंचाने की कोशिश करते थे। इसके अलावा प्राचीन ग्रीस और रोम में भी गेंद से खेले जाने वाले कई खेल प्रचलित थे, जिन्हें आधुनिक फुटबॉल का शुरुआती रूप माना जाता है।

फुटबॉल जैसा खेल सु-जू

ऐसे हुई वर्तमान स्वरूप की शुरुआत: आधुनिक फुटबॉल के नियम इंग्लैंड में रखे गए। अक्टूबर 1863 को लंदन में फुटबॉल क्लबों की बैठक हुई, जहां पहली बार इस खेल के आधिकारिक नियम तैयार किए गए। इसी बैठक के बाद 'फुटबॉल एसोसिएशन' की स्थापना हुई। पहले खिलाड़ी हाथ और पैर दोनों से खेलते थे। लेकिन नए नियमों में तय किया गया कि गेंद को मुख्य रूप से पैरों से खेला जाएगा। यहीं से फुटबॉल खेल के वर्तमान स्वरूप की शुरुआत मानी जाती है। बाद में वर्ष 1904 में फीफा की स्थापना हुई, जो आज दुनिया भर में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल का संचालन और नियम तय करने वाली सर्वोच्च संस्था है।

फुटबॉल से जुड़े आविष्कार: फुटबॉल का आविष्कार किसी एक व्यक्ति ने नहीं किया, बल्कि यह समय के साथ विकसित हुआ। हालांकि कुछ लोगों का योगदान बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। चार्ल्स गुडईयर ने 1855 में पहली रबर की फुटबॉल तैयार की। इससे पहले गेंद जानवरों के ब्लैडर से बनाई जाती थी, जो ज्यादा टिकाऊ नहीं होती थी। फुटबॉल के शुरुआती नियमों और इस खेल की संरचना को विकसित-व्यवस्थित करने में इंग्लैंड के कई फुटबॉल क्लबों एवं इस खेल से जुड़े प्रशासकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। रॉबर्ट एबट ने फुटबॉल के गोल पोस्ट और इससे संबंधित कई महत्वपूर्ण नियमों को बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। *

विश्व के महान फुटबॉल-प्लेयर्स

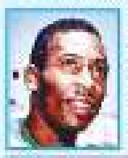

पेले: ब्राजील के महान फुटबॉल खिलाड़ी पेले को 'किंग ऑफ फुटबॉल' और 'ब्लैक पर्ल' के नाम से भी जाना जाता है। उन्होंने अपने करियर में 1000 से अधिक गोल किए। वे ब्राजील को तीन फीफा विश्व कप जिताने वाले दुनिया के इकलौते खिलाड़ी हैं।

डिएगो मैराडोना: अर्जेंटीना के खिलाड़ी डिएगो मैराडोना भी एक महान फुटबॉलर थे। उनका 'सदी का सबसे शानदार गोल' आज भी याद किया जाता है। फुटबॉल खेलने के दौरान उनकी ड्रिब्लिंग अद्भुत थी।

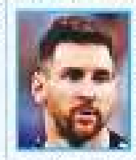

लियोनेल मेसी: मेसी को फुटबॉल इतिहास के महानतम खिलाड़ियों में गिना जाता है। उन्होंने कई व्यक्तिगत रिकॉर्ड्स बनाए। 2022 में अर्जेंटीना को फुटबॉल विश्व कप जिताने में मेसी का महत्वपूर्ण योगदान था।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो: पुर्तगाल के फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो अपनी फिटनेस, रफ्तार और हवा में ऊंची छलांग लगाकर हेडर मारने के लिए मशहूर हैं। वे अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी हैं।

जिनेदिन जिदान: फ्रांस के महान मिडफील्डर जिनेदिन जिदान अपनी शानदार तकनीक, बेहतरीन पासिंग और खेल की समझ के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध हैं। इन्हें 'मैदान का जादूगर' कहा जाता था।

इंट्रेस्टिंग फैक्ट्स और रिकॉर्ड्स

फुटबॉलर हाकन शुकुर (व्हाइट जर्सी में)

सबसे तेज गोल: अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सबसे तेज गोल करने का रिकॉर्ड तुर्की के हाकन शुकुर के नाम है। 2002 फीफा विश्व कप में तुर्की के हाकन शुकुर ने दक्षिण कोरिया के खिलाफ मैच शुरू होने के सिर्फ 10.8 सेकेंड बाद गोल कर इतिहास रच दिया।

सबसे ज्यादा बार वर्ल्ड कप विजेता: ब्राजील ने अब तक सबसे ज्यादा 5 बार फीफा विश्व कप की ट्रॉफी अपने नाम की है।

सबसे ज्यादा दर्शक: 1950 विश्व कप के ब्राजील और उरुग्वे के बीच खेले गए फाइनल मुकाबले को रियो डी जेनेरियो के माराकाना स्टेडियम में अब तक के सबसे ज्यादा लगभग दो लाख दर्शकों ने प्रत्यक्ष देखा था।

छोटी कहानी

रवि प्रकाश

किताब का जादू

कबीर कक्षा सात का एक ऐसा छात्र था, जिसे लोग 'नोटिस' ही नहीं करते थे। वह न पढ़ाई में सबसे आगे था, न खेलकूद में। उसे लगता- इस बड़े से स्कूल की भीड़ में वह एक खोया हुआ बच्चा है। जब शिक्षक कोई सवाल पूछते, जवाब पता होते हुए भी कबीर अपना हाथ नहीं उठाता। उसे डर लगता था कि कहीं सब बच्चे उस पर हंस न दें।

एक दिन बाहर मूसलाधार बारिश हो रही थी। खेल का मैदान पानी से लबालब भरा था। कबीर स्कूल के पुस्तकालय के एक शांत कोने में जाकर बैठ गया। खिड़की पर बूंदें 'टप-टप' गिर रही थीं। अंदर पुरानी किताबों की एक सौंधी-सी महक फैली थी।

तभी उसकी नजर रैक के सबसे नीचे दबी एक फटी जिल्द वाली किताब पर पड़ी। उसने उसे बाहर निकाला। किताब का शीर्षक था- 'हौसलों की उड़ान: जिन्होंने दुनिया बदल दी।'

कबीर ने किताब पढ़ना शुरू किया। उसने पढ़ा कि महान वैज्ञानिक थॉमस एडिसन को बचपन में 'मंदबुद्धि' कहकर स्कूल से निकाल दिया गया था। कबीर ने इस किताब में यह भी पढ़ा कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन एक नहीं दर्जनों बार चुनाव हारे थे। किताब के बीचों-बीच एक अनमोल वचन लिखा था- 'सूरज की तरह चमकने के लिए, पहले उसकी तरह जलना पड़ता है।' इस एक कथन ने कबीर के भीतर जैसे आत्मविश्वास का कोई सोता खोल दिया। उसे समझ में आ गया- प्रतिभा जन्म से नहीं, जिज्ञासा और मेहनत से आती है। उसने वह किताब पुस्तकालय से जारी करवाई और किसी खजाने की तरह संभालकर घर ले गया।

अब उसका खाली समय फोन या टीवी पर नहीं, प्रयोग करने में बीतने लगा। उसने अपने गांव का गंदा तालाब देखा और एक 'कम लागत वाला जल शोधक' (लो कॉस्ट वाटर फिल्टर) बनाने की ठान ली। घर के स्टोर रूम से पाइप, कोयला, कंकड़ और रेत इकट्ठा किया। कई बार पानी साफ नहीं हुआ। कई बार पाइप टूट गया और कमरे में कीचड़ फैल गया, लेकिन कबीर हारा नहीं, रुका नहीं। जब तब वह इस जादुई किताब के पन्ने पलटने रहता। बहुत कुछ जानता-सीखता। इनके आधार पर प्रयोग करता।

विज्ञान प्रदर्शनी के दिन कबीर का स्टाल सबसे पीछे था। बड़े-बड़े स्कूलों के बच्चे अपने महंगे-महंगे साइंटिफिक मॉडल लेकर आए थे। लेकिन जब निर्णायकों ने कबीर के साधारण से फिल्टर से गंदे नाले का पानी कांच जैसा साफ होते देखा-वे दंग रह गए।

जब बेस्ट इनोवेटर का पुरस्कार कबीर के नाम घोषित हुआ, तो मंच पर जाते समय उसका सिर गर्व से ऊंचा था। प्रिंसिपल ने पूछा, 'कबीर, यह प्रेरणा तुम्हें कहां से मिली?'

कबीर मुस्कुराया और बोला, 'सर, मुझे एक जादू की छड़ी मिल गई थी, जो पुस्तकालय की अलमारी में बरसों से मेरा इंतजार कर रही थी, उसी से कुछ कर दिखाने की प्रेरणा मिली।'

सीख: अच्छी किताबें केवल छपे अक्षर नहीं होतीं, वे बंद मस्तिष्क के ताले खोलने की चाबियां होती हैं। एक सही किताब हमारी जिंदगी की दिशा बदल देती है। *

तुम्हारे लिए नई किताब / सुरेंद्र विक्रम

सरल-सरस-मनोरंजक बाल कविताएं

किताबें केवल मनोरंजन ही नहीं करें, गुदगुदाएं भी तो कहने क्या! कुछ इसी तरह का आनंद तुम्हें बाल साहित्यकार डॉ. सुरेश अवस्थी द्वारा रचित बाल कविताओं का संकलन 'बच्चों की फुलवारी' पढ़कर मिलेगा। इस संकलन में छोटी-बड़ी कुल 22 रोचक-मनोरंजक कविताएं हैं। संकलन की पहली कविता 'चूहे' बड़ी मजेदार है, इसमें तुम पढ़ोगे कि कैसे घर में ऊधम मचाते हुए चूहे पानी से भरे घड़े में गिर जाते हैं, पापाजी की अलमारी से नोट उड़ा ले जाते हैं, लेकिन बिल्ली को आता हुआ देखकर अपनी जान बचाते हुए भागकर बिल में छिप जाते हैं। एक कविता में तुम पढ़ोगे कि बंदर मामा नकली पंडित बनकर ब्याह कराने तो बड़े मजे से आते हैं, लेकिन मंत्र न पढ़ पाने के कारण उन्हें हंसी का पात्र बनकर भागना पड़ता है। 'जलेबी' कविता में तो जलेबी को अन्य कई मिठाइयों की रिश्तेदार बताया गया है। उसे इमरती की बहन, रसगुल्ले की चाची, काला जाम की बुआ बताते हुए नरम-रसभरी कहा गया है। 'मेला' कविता में रंग-बिरंगे गुब्बारे हैं, लड्डू-पेड़ा है, झूलों और खेल-खिलौनों का संसार है। 'बूढ़ी दादी' कविता में एक बच्चा पहले दादी से पके बाल, पिचके गाल और दांत न होने की बातें पूछता है फिर बड़े प्यार से 'करवा दो तुम मेरी शादी, बूढ़ी दादी-बूढ़ी दादी' कहकर कविता में रस घोल देता है। 'मेरी कलम', 'आई रेल', 'गुड़िया की ससुराल', 'रोज सवेरे', 'तितली' और 'छम-छम नाचे वर्षा रानी' जैसी कविताएं इतनी सरल हैं कि पढ़ते-पढ़ते ही तुम्हें याद हो जाएंगी। कौआ और लोमड़ी की कहानी को भी कवि ने कविता में ढालकर फिर से कौए को मूर्ख और लोमड़ी को चालाक बताया है। 'हमारा स्कूल', 'लड्डू' और 'मेरा घोड़ा' जैसी संग्रह की छोटी-छोटी कविताएं भी बहुत प्यारी हैं। *

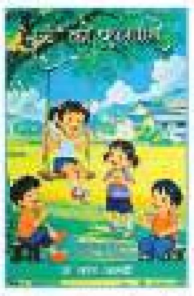

किताब: बच्चों की फुलवारी (बाल कविता संग्रह), **लेखक:** डॉ. सुरेश अवस्थी, **मूल्य:** 75 रुपए, **प्रकाशक:** ईशा पब्लिकेशंस, कानपुर

कहानी

संजीव जायसवाल 'संजय'

कमलापुर गांव में एक बहुत पुराना विशाल बरगद का वृक्ष था। एक दिन अचानक इस वृक्ष से ढोल की आवाजें आने लगीं। गांव वाले दहशत में आ गए कि बरगद के वृक्ष पर जिन्नों का डेरा हो गया है, वही ढोल बजाते हैं। लेकिन मुकुल को यह बात बड़ी अजीब-सी लगी। उसने इस रहस्य का सच सामने लाकर दम लिया।

रहस्यमयी ढोल

कमलापुर गांव के बाहरी हिस्से में एक बहुत विशाल और पुराना बरगद का वृक्ष था। गांव के लोग उसे एक पवित्र वृक्ष मानते थे। इस वृक्ष के नीचे अपने धार्मिक अनुष्ठान और मांगलिक कार्य किया करते थे। लेकिन पिछले कुछ दिनों से उस वृक्ष को लेकर पूरे गांव में अफवाह फैल गई थी कि वृक्ष पर जिन्न रहने लगे हैं। लोगों ने डर के मारे उस तरफ जाना ही छोड़ दिया।

हुआ यह था कि एक रात गांव में बहुत तेज आंधी आई, इस आंधी में अचानक बरगद के वृक्ष की ओर से जोर-जोर से ढोल बजने की आवाजें आने लगीं। अगले दिन पूरे गांव में अफवाह फैल गई कि रात में उस वृक्ष पर 'जिन्नों' का कब्जा हो गया है। वे रात में ढोल बजाकर नाच रहे थे, इसीलिए भयंकर आंधी आई थी।

अगली रात कुछ किसान खेतों में रखवाली कर रहे थे कि अचानक फिर ढोल बजने की आवाजें आने लगीं। किसान घबराकर घर भाग आए। अब तो जितने मुंह उतनी बातें। लोगों ने डर के कारण उधर बरगद के वृक्ष के पास जाना छोड़ दिया। गांव के बच्चे डर के मारे शाम होते ही घरों में दुबक जाते थे।

उसी गांव में चौदह साल का मुकुल रहता था। मुकुल को विज्ञान की किताबें पढ़ना बहुत पसंद था। वह हर बात के पीछे का कारण जानने की कोशिश करता था। उसे 'जिन्न' वाली बात पर बिल्कुल विश्वास नहीं हुआ। उसने अपने विज्ञान के शिक्षक से सीखा था कि भूत-प्रेत-जिन्न सिर्फ भ्रम और अंधविश्वास होते हैं, असलियत में इनका कोई वजूद नहीं होता।

एक दिन वह अपने दोस्तों के साथ बैठा था, तभी राजू ने बताया, 'गांव के लोग वहां एक विशाल यज्ञ करवाने की सोच रहे हैं, ताकि उन जिन्नों को भगाया जा सके।'

'यह तो सरासर अंधविश्वास है, पैसों की बर्बादी भी! जब भूत-प्रेत और जिन्न होते ही नहीं, तो उन्हें भगाने के लिए यज्ञ कैसा? हम सब विज्ञान के छात्र हैं, हमें ऐसी दकियानूसी बातों पर विश्वास नहीं करना चाहिए।' मुकुल अपनी बात पर जोर देते हुए बोला।

'अगर जिन्न नहीं होते, तो फिर रात के सन्नाटे में ढोल कौन बजाता है?' पिंटू ने उसकी बात काटते हुए पूछा।

'अगर तुम लोग मेरा साथ दो, तो आज रात इस रहस्य का पता लगाया जा सकता है।' मुकुल बोला।

पहले तो राजू और पिंटू डर के मारे तैयार नहीं हुए, लेकिन मुकुल के हौसला बढ़ाने पर वे सब शाम को अंधेरा होने पर बरगद के वृक्ष की ओर चल दिए। चारों ओर सन्नाटा छाया हुआ था। अचानक मौसम बदला और तेज हवा चलने लगी। इसी के साथ बरगद के पेड़ से 'ढम-ढम ढमाक-ढम' की डरावनी आवाजें गूंजने लगीं।

'भागो! जिन्न आ गए!' राजू और पिंटू डर कर भागने लगे।

लेकिन मुकुल अपनी जगह पर खड़ा रहा। उसने राजू और पिंटू को रोका। मुकुल ने अपनी टॉर्च की रोशनी को बरगद की ऊंची डालियों की तरफ घुमाया। वहां का नजारा देख वह खिलखिलाकर हंस पड़ा फिर आवाज लगाई, 'दोस्तो! भागो मत, मैंने जिन्न को पकड़ लिया है!'

राजू और पिंटू ने सहमते हुए मुकुल की तरफ देखा। बरगद की एक मोटी और झुकी हुई डाल के बीच में एक बड़ा-सा ढोल फंसा हुआ था। जब-जब तेज हवा चलती, तो बरगद की एक दूसरी सूखी और भारी टहनी हवा के दबाव से उस ढोल से टकराती, जिससे 'ढम-ढम' की आवाज आ रही थी। दिन के शोर-शराबे में यह आवाज दूर तक नहीं जाती थी, लेकिन रात के सन्नाटे में बहुत भयानक लग रही थी।

मुकुल ने पास पड़ी एक लंबी लकड़ी की मदद से उस ढोल को डाल से नीचे गिरा दिया। उसे रोकने के लिए कोई जिन्न सामने नहीं आया। जिन्न का रहस्य तो खुल गया, लेकिन अब बड़ा सवाल यह था कि आखिर यह ढोल इतनी ऊंची डाल पर पहुंचा कैसे?

मुकुल ने जब ढोल को उलट-पुलट कर देखा। उस पर लाल रंग से लिखा था 'गोपाल कीर्तन मंडली, गांव-लक्ष्मीनगर' और नीचे एक मोबाइल नंबर लिखा हुआ था। मुकुल ने तुरंत अपनी जेब से मोबाइल निकाला और उस नंबर पर फोन लगा दिया। फोन लक्ष्मीनगर के गोपाल जी ने उठाया। मुकुल ने जब उनसे बरगद के पेड़ वाले ढोल के बारे में पूछा, तो गोपाल जी चौंक गए और फिर राहत की सांस लेते हुए बोले, 'बेटा! बहुत-बहुत धन्यवाद। पांच दिन पहले हम सपरिवार उसी पेड़ के नीचे अपने पोते का मुंडन कराने आए थे। वहां हमने भजन-कीर्तन भी किया था। कीर्तन के बाद जब सब खाना खाने बैठे, तो छोटे बच्चे ढोल को जोर-जोर से पीटकर ऊधम मचाने लगे। ढोल कहीं फट न जाए, इसलिए एक रिश्तेदार ने उसे ऊपर बरगद के वृक्ष की एक ऊंची डाल के बीच में छिपाकर टांग दिया था। शाम को लौटते समय हम लोग ढोल वहीं भूल आए थे। कल आकर उसे ले लूंगा।' जिन्न का रहस्य खुल चुका था। पिंटू ने उस ढोल को अपने गले में टांग लिया और उसे जोर-जोर से बजाते हुए तीनों दोस्त गांव की ओर लौट पड़े। ढोल की आवाजें करीब आती देख गांव वाले बुरी तरह से घबरा गए, लेकिन बाद में असलियत जान सभी ने राहत की सांस ली और अपने आप पर हंसे भी। मुकुल की बुद्धिमानी ने गांव वालों के अंधविश्वास को दूर कर दिया था। *

कविता

सूर्यकुमार पांडेय

पहलवान

सब मेवे कर गए सफाचट,
और दूध पी गए फटाफट।
दांव-पेंच सब इनको आते,
भांति-भांति के हाथ दिखाते।
मुग्दर-दंड उठाए अब तक,
लगा रहे अब उठक-बैठक।
ये शौकीन बड़े कुश्ती के,
सच में हैं पुतले चुस्ती के।
पहलवान इनसे थर्राते,
लड़ने जल्दी पास न आते।
जीत चुके हैं दंगल सारे,
कल के गामा यही हमारे।

जीके क्विज-212

1. फीफा वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी कौन बन गए हैं?
2. क्षेत्रफल की दृष्टि से विश्व का सबसे बड़ा देश कौन-सा है?
3. हाल ही में किसे एक बार फिर से भारत का सॉलिसिटर जनरल नियुक्त किया गया है?
4. भारतीय संसद के उच्च सदन को किस नाम से जाना जाता है?
5. भारत में मौर्य साम्राज्य की स्थापना किसने की थी?
6. ताजमहल किस शहर में स्थित है?
7. यूक्रेन की राजधानी क्या है?
8. भारत का सर्वोच्च न्यायालय कहां स्थित है?
9. मानव शरीर की सबसे बड़ी ग्रंथि (ग्लैंड) कौन-सी है?
10. कंप्यूटर का आविष्कार किसने किया था?

बच्चो, जीके क्विज-212 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें balbhoomihb@gmail.com पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-211 का उत्तर: 1.बिंदू पैपा, 2.स्मृति मंधाना, 3.ओम बिरला, 4.फुटबॉल, 5.मुंबई, 6. 5 वर्ष, 7.पोखरण (राजस्थान), 8.बहादुर शाह 'जफर', 9.सिक्किम, 10.जापान

जीके क्विज-211 का सही उत्तर देने वाले: संकेत-रायपुर, सुगंधा-बिलासपुर, कृष्णा-रोहतक, भारती-दुर्ग, जिया सिंह-रायगढ़, कबीर-हिसार, अभिनीत-ईमेल से, सुमन-महासमुंद, कुशाग्र-दुर्ग, हर्षित-बलौदा बाजार, शिवम-रोहतक

रंग भरो-205

रंग भरो-205 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

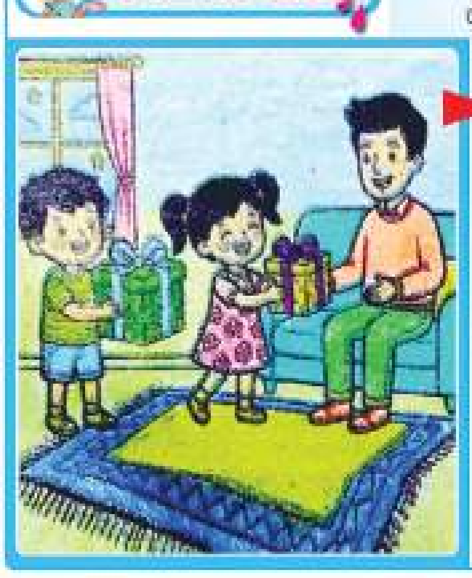

दिव्या, बिलासपुर

आयुषी, उमरिया

अहाना, कवर्धा

दिशा, बिलासपुर

दीपिका, कोरबा

नंदी, रायपुर

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

आभा-उमरिया, प्रगति-बिलासपुर, लोकेश-भाटापारा, नीरज-महासमुंद, यश-रायगढ़, सुरभि-भिवानी, रेणुका-बिलासपुर, ऋषि-दिल्ली, राकेश-धमतरी, अंकिता-जून, शुभम-रायगढ़, अदिति-कोरबा, तनु-बलौदा बाजार, आयुषि-दुर्ग, ईशान-हिसार

रंग भरो 206

बच्चो, इस चित्र को सुंदर से रंगों से सजाकर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, आयु और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजें- संपादक-फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 09, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomihb@gmail.com पर मेल करें।

मेडिकल हब है झाँसी, मरीजों की सुरक्षा सर्वोपरि : डीएम

- ICU, NICU, OT में एंट्री एग्ज़िट अलग रखें,वहां ज्वलनशील सामग्री न रखें:- डीएम
- फायर सेफ्टी के दृष्टिगत जिलाधिकारी ने नर्सिंग होम्स के संचालकों एवं डॉक्टरों के साथ की बैठक
- झाँसी विकास प्राधिकरण के नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाए
- नर्सिंग होम संचालकों को दी नसीहत, बेसमेंट का इस्तेमाल मरीज वार्ड के लिए नहीं पार्किंग/ स्टोर के लिए ही करें
- मानको का पालन न करने पर उत्तर प्रदेश अग्निशमन एवं आपात सेवा अधिनियम 2022 के तहत 50 हजार से 05 लाख तक जुर्माना और पंजीकरण निरस्त करने की होगी कार्रवाई

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। जिलाधिकारी गौरांग राठी की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट गांधी सभागार में जनपद के समस्त निजी नर्सिंग होम्स, अस्पतालों एवं क्लीनिक के संचालकों के साथ फायर सेफ्टी को लेकर बैठक आयोजित की गई।

जिलाधिकारी श्री गौरांग राठी ने कहा कि झाँसी आसपास के क्षेत्रों के लिए मेडिकल हब है, आने वाले मरीजों की सुरक्षा सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में अग्निकांड की घटनाएं बढ़ जाती हैं, ऐसे में सभी चिकित्सा संस्थानों में फायर सेफ्टी मानकों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। किसी भी प्रकार की लापरवाही पर संबंधित संस्थान के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि सभी नर्सिंग होम 50 बेड से अधिक क्षमता वाले अस्पतालों में अनिवार्य रूप से फायर एनओसी लें। प्रत्येक तल पर फायर एक्सटिंग्विशर, स्मोक डिटेक्टर, फायर अलार्म एवं स्प्रिंकलर सिस्टम लगाए जाएं। आपातकालीन निकास द्वार किसी भी दशा में अवरुद्ध न हों एवं उन पर स्पष्ट संकेतक लगाए जाएं। जिलाधिकारी श्री गौरांग राठी ने मुख्य अग्निशमन अधिकारी को निर्देश दिए गए कि अभियान चलाकर सभी अस्पतालों की फायर सेफ्टी की जांच कर ली जाए। विद्युत लोड के अनुसार वायरिंग की जांच कराकर शॉर्ट सर्किट से बचाव के उपाय किए जाएं। सभी स्टाफ को फायर मॉकड्रिल का प्रशिक्षण दिया जाए। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए कि बिना फायर एनओसी के कोई भी नर्सिंग होम/अस्पताल संचालित न हो इसे अवश्य सुनिश्चित किया जाए। इसके अतिरिक्त मरीजों की शिफ्टिंग के लिए वैकल्पिक व्यवस्था एवं एंबुलेंस मार्ग बाधा रहित रखे जाएं। बैठक से पूर्व अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व श्रीमती पल्लवी मिश्रा ने उपस्थित नर्सिंग होम्स के संचालक एवं चिकित्सकों से संवाद करते हुए कहा कि बेसमेंट का इस्तेमाल मरीज वार्ड के लिए न करें, केवल पार्किंग स्टोर के लिए ही किया जाए। सुरक्षा के दृष्टिगत आपातकालीन निकास द्वार कम से कम 02 होने चाहिए। रास्ता खुला रखें ताला न लगाएं ताकि अनहोनी होने पर मरीजों को सुरक्षित निकाला जा सके। नर्सिंग होम्स को फायर सेफ्टी के लिए फायर सेफ्टी प्लान, बिल्डिंग का नक्शा और विद्युत लोड प्रमाण-पत्र अनिवार्य रूप से लेना होगा एवं सालाना फायर ऑडिट कराकर रिपोर्ट सीएमओ कार्यालय में जमा करें। बैठक में मुख्य अग्निशमन अधिकारी श्री आर के राय ने उपस्थित नर्सिंग होम संचालक एवं चिकित्सकों को संबोधित करते हुए कहा कि आईसीयू,ओटी और वार्ड में 6 महीने पर वायरिंग की जांच कराएं ताकि शॉर्ट सर्किट की आशंका खत्म की जा सकें। उन्होंने यूपीएस जनरेटर के लिए अलग फायर प्रूफ रूम बनाए जाने का भी सुझाव दिया। सभी डॉक्टर नर्स वार्डबॉय को एक्सटिंग्विशर चालानी की ट्रेनिंग दी जाए। इसके साथ ही मरीजों को निकालने की इवैकुएशन प्लान हर वार्ड में चस्पा किया जाए। बैठक में डॉ0 सतीश अग्रवाल विनायक हॉस्पिटल, डॉ0 आरआर सिंह राघवेंद्र हॉस्पिटल,डॉ0 आलोक अग्रवाल मेवा चौधरी नर्सिंग होम, डॉ0 राकेश त्रिपाठी उपचार हॉस्पिटल, डॉ0 प्रमोद गुप्ता आईएमए अध्यक्ष, डॉ0 शैलेन्द्र वाष्णेय नीमा, सहित मुख्य विकास अधिकारी, उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी जनपद के 70 से अधिक नर्सिंग होम संचालक उपस्थित रहे।

नगर विधायक रवि शर्मा की पहल रंग लाई, झांसी में स्थापित होगा होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज

(यंग भारत न्यूज)

झाँसी। नगर आवश्यक आगमन के दौरान नगर विधायक रवि शर्मा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को झाँसी में होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज की स्थापना के संबंध में एक पत्र सौंपा था। अपने पत्र में उन्होंने उल्लेख किया था कि बुंदेलखंड क्षेत्र के विद्यार्थियों को होम्योपैथिक चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने के लिए अन्य जनपदों अथवा राज्यों का रुख करना पड़ता है। यदि झाँसी में होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज की स्थापना होती है, तो हजारों विद्यार्थियों को स्थानीय स्तर पर गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।नगर विधायक ने अपने पत्र में यह भी अवगत कराया था कि रुद्र बलौरा क्षेत्र में आयुष विभाग द्वारा भूमि का अधिग्रहण किया जा चुका है, जिससे परियोजना के शीघ्र प्रारंभ होने क संभावनाएँ प्रबल हैं। उन्हों ने इससे पूर्व भी कई अवसरों पर झाँसी में होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज की स्थापना के लिए माननीय मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर इस मांग को प्रमुखता से उठाया था। उनकी यह सतत पहल अब सफल होती दिखाई दे रही है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से किए गए आग्रह के क्रम में राष्ट्रीय आयुष मिशन की गवर्निंग बॉडी की बैठक में महत्वपूर्ण कार्ययोजना को स्वीकृति प्रदान की गई है। इस निर्णय के अंतर्गत झाँसी में नया होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज, अस्पताल तथा आयुष डिस्पेंसरी स्थापित किए जाएंगे।यह स्वीकृति केवल एक नई संस्था की स्थापना तक सीमित नहीं है, बल्कि झाँसी और आसपास के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। नए मेडिकल कॉलेज और अस्पताल की स्थापना से आम नागरिकों को बेहतर एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध होंगी। साथ ही आयुष चिकित्सा पद्धति का विस्तार होगा, जिससे लोगों को समग्र एवं वैकल्पिक चिकित्सा सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा।यह परियोजना चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में भी नई संभावनाओं के द्वार खोलेगी। अब झाँसी एवं पूरे बुदेलखंड के विद्यार्थियों को होम्योपैथिक चिकित्सा शिक्षा के लिए दूसरे शहरों या राज्यों में नहीं जाना पड़ेगा। स्थानीय स्तर पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध होने से युवाओं को बेहतर अवसर प्राप्त होंगे तथा क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।यह निर्णय झाँसी के समग्र विकास, स्वास्थ्य अवसंरचना के सुदृढ़ीकरण तथा युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। समस्त झाँसीवासियों की ओर से माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के प्रति हार्दिक धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया जाता है। साथ ही नगर विधायक रवि शर्मा के सतत प्रयासों और जनहित के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का यह सकारात्मक परिणाम झाँसी के विकास में एक नए अध्याय के रूप में देखा जा रहा है। आशा है कि यह पहल झाँसी को स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने के साथ-साथ पूरे बुंदेलखंड के विकास को भी नई गति प्रदान करेगी।

अतिक्रमण के खिलाफ अभियान एक बार फिर शुरू

-हटाया गया सख्ती से अतिक्रमण

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। नगर में अतिक्रमण के खिलाफ अभियान एक बार फिर शुरू हो गया है। उप मुख्य डाकघर के पास फुटपाथ और नाली पर किए गए अतिक्रमण को प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए जेसीबी मशीन से हटवा दिया। अधिकारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि नाले, नाली अथवा फुटपाथ पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

एसडीएम रिंकू सिंह राही के स्थानांतरण के बाद कुछ स्थानों पर दुकानदारों और अन्य लोगों द्वारा दोबारा अतिक्रमण करना शुरू कर दिया गया था। दुकानदार फुटपाथ तक सामान लगा रहे हैं। जिससे यातयात व्यवस्था प्रभावित हो रही है। नगर पालिका द्वारा लगातार दो दिन तक मुनादी कर लोगों से स्वयं अतिक्रमण हटाने की अपील की गई थी, लेकिन कुछ लोगों ने चेतावनी के बावजूद फुटपाथ और नाले नालियों से अतिक्रमण नहीं हटाया गया। इसके बाद प्रशासन ने अभियान चलाकर कार्रवाई की। एसडीएम राकेश कुमार सोनी, सीओ अजय कुमार सिंह, नगर पालिका ईओ सुशील कुमार और कोतवाल हरिशंकर चंद के नेतृत्व में नगर पालिका एवं पुलिस की संयुक्त टीम ने देवनगर चौराहे से उप मुख्य डाकघर तक अभियान चलाया। इस दौरान उरई चौराहे से बाजार की ओर जाने वाले मार्ग पर फुटपाथ और नाली पर किए गए पक्के अतिक्रमण को जेसीबी मशीन की सहायता से हटाया गया। अन्य अतिक्रमणकारियों ने स्वयं की अपना अतिक्रमण हटा लिया। अभियान के दौरान अधिकारियों ने अतिक्रमणकारियों को निर्देश दिए कि भविष्य में फुटपाथ, नाली और सार्वजनिक मार्ग पर किसी प्रकार का कब्जा न करें। एसडीएम राकेश कुमार सोनी ने कहा कि सड़क और फुटपाथ आम जनता की सुविधा के लिए हैं। यदि किसी ने दोबारा अतिक्रमण किया तो उसे तत्काल हटाया जाएगा और संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करते हुए जुर्माना भी लगाया जाएगा। ईओ सुशील कुमार ने बताया कि नगर को अतिक्रमण मुक्त बनाए रखने के लिए प्रतिदिन अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने नगरवासियों से अपील की कि वे नाले, नालियों, फुटपाथ और सार्वजनिक स्थानों पर किसी प्रकार का अतिक्रमण न करें, ताकि यातायात और आमजन की सुविधा प्रभावित न हो।

तेज रफ्तार डंपर की टक्कर से डीसीएम सवार चालक व क्लीनर घायल

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। बंगरा मार्ग पर विपरीत दिशा से आ रहे डंफर ने डीसीएम में टक्कर मार दी। टक्कर लगने के कारण डीसीएम सवार चालक व क्लीनर दोनों घायल हो गए। पीड़ित के भाई की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी डंफर चालक के खिलाफ तेज व लापरवाही से वाहन चलाने की रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

जनपद हमीरपुर थाना राठ के ग्राम पहाड़ीगढ़ी निवासी महेंद्र कुमार ने पुलिस को बताया कि बीती 14 जून को सुबह साढ़े आठ बजे उनका भाई पप्पू प्रजापति व क्लीनर परदेशी डीसीएम गाड़ी से जालौन आ रहा था। जैसे ही वह बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के छिरिया सलेमपुर कट के पास पहुंचे तभी उल्टी दिशा से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने डीसीएम में जोरदार टक्कर मार दी। सड़क दुर्घटना में वह दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की मदद से पहले उन्हें सीएचसी पहुंचाया गया। जहां उनकी हालत गंभीर होने पर उन्हें पहले उरई फिर झांसी रेफर कर दिया गया। जहां प्राइवेट चिकित्सालय में अभी भी उनका उपचार चल रहा है। घायल के भाई की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी डंपर चालक के खिलाफ वाहन को तेज गति व लापरवाही से चलाने का मामला दर्ज कर लिया है। साथ ही आरोपी डंपर व उसके चालक की तलाश शुरू कर दी है।

द्वितीय दिवस नगर के 20 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित हुई उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपीटीईटी)

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। आज द्वितीय दिवस आयोजित टीईटी की परीक्षा में प्रथम पाली में 7446 परीक्षार्थियों का था पंजीकरण, 6870 ने दी परीक्षा, 576 रहे अनुपस्थित,92.26% द्वितीय दिवस द्वितीय पाली में 20 परीक्षा केंद्रों पर 7446 परीक्षार्थी हुए पंजीकृत,7013 परीक्षार्थी रहे उपस्थित, 733 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे, 94.18% आज नोडल अधिकारी/अपर जिलाधिकारी प्रशासन श्री शिव प्रताप शुक्ल एवं पुलिस अधीक्षक नगर श्रीमती प्रीति सिंह ने उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपीटीईटी) परीक्षा-2026 की प्रथम दिवस की लिखित परीक्षा नगर के 20 परीक्षा केंद्रों पर दो पालियों में पूर्वाहन 09.30 से 12.00 बजे तक तथा द्वितीय पाली अपराह्न 02.30 से 05.00 बजे तक आयोजित होने वाली परीक्षा के शांतिपूर्ण एवं सुचिता से संपन्न कराए जाने हेतु परीक्षा केंद्रों का भ्रमण किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने परीक्षार्थियों से संवाद कर दी जा रही सुविधाओं के लिए जानकारी।

- नकलविहीन,सुचिता और शान्तिपूर्ण तरीके से परीक्षा को सम्पन्न कराने हेतु अपर जिलाधिकारी/पुलिस अधीक्षक नगर द्वारा परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण
- जनपद के समस्त परीक्षा केन्द्रों पर सीसीटीवी कैमरे सहित वॉइस रिकॉर्डर का किया सत्यापन

अपर जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक नगर ने संयुक्त रुप से नकल विहीन,सुचिता और शान्तिपूर्ण तरीके से परीक्षा को सम्पन्न कराये जाने हेतु नेशनल हाफिज सिद्दीकी स्कूल सहित विभिन्न परीक्षा केंद्रों का भ्रमण किया, यूपीटीईटी परीक्षा में डुप्लीकेट परीक्षार्थी किसी भी दशा में शामिल न हो, इसे सुनिश्चित करने के लिए कक्ष निरीक्षक को एडमिशन कार्ड की गंभीरता से जांचा गया। उन्होने परीक्षा के दौरान प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर पर्याप्त पुलिस व्यवस्था के अतिरिक्त पेयजल, विद्युत आपूर्ति भी सुनिश्चित किए जाने की जानकारी ली। परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण करते हुए अपर जिलाधिकारी ने फ्रिस्किंग के साथ ही उनके सामान को सुरक्षित रखे जाने की व्यवस्था को देखा, उन्होंने कहा कि सारी व्यवस्थाएं निशुल्क हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी दशा में कोई भी परीक्षार्थी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस लेकर परीक्षा केंद्र में प्रवेश न करें, इसकी सावधानीपूर्वक जांच की जाए। उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपीटीईटी) -2026 प्रवेश परीक्षा नगर के 20 परीक्षा केन्द्रों पर दो पालियों में संपन्न हुई। द्वितीय दिवस 20 परीक्षा केंद्रों पर पूर्वाहन 09.30 से 12.00 बजे तक एवं द्वितीय पाली अपराहन 02.30 से 05.00 बजे तक संपन्न हुई। प्रथम पाली में परीक्षा केंद्रों पर 7446 पंजीकृत थे परंतु 6870 परीक्षार्थी उपस्थित रहे और 576 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे , इसके साथ ही द्वितीय पाली में 7446 परीक्षार्थी लिखित परीक्षा में पंजीकृत थे परंतु 7013 परीक्षार्थी उपस्थित हुए तथा 733 परीक्षाथी ? परीक्षा में अनुपस्थित रहे। उन्होंने बताया परीक्षा केंद्र पर पूर्ण शांति और सूचिता से संपन्न कराए जाने के लिए 20 केंद्र व्यवस्थापकों को तैनात किए, इसके अतिरिक्त 20 स्टैटिक मजिस्ट्रेट तथा 20 विभागीय परीक्षकों को लगाया गया। परीक्षा नकल विहीन कराने के लिए लगातार परीक्षा केंद्रों का भ्रमण किया गया। परीक्षा केंद्रों के निरीक्षण के दौरान उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग प्रयागराज द्वारा नामित प्रेक्षक सहित नोडल अधिकारी अपर जिला अधिकारी प्रशासन श्री शिव प्रताप शुक्ल, एसपी सिटी श्रीमती प्रीति सिंह सहित परीक्षा केंद्रों के प्रधानाचार्य, केंद्र व्यवस्थापक आदि उपस्थित रहे।

कूलर की कम्पलेंड पर ठीक करने आये मैकेनिक के साथ की मारपीट

(यंग भारत न्यूज)

कोंच वी-गार्ड कंपनी का मैकेनिक नगर मे कम्पलेंड ठीक करने के लिए आया लेकिन कूलर स्वामी ने बेबजह मैकेनिक की मारपीट कर दी।मारपीट की शिकायत मैकेनिक ने पुलिस से कर कार्यवाही की मांग की है।

जानकारी के अनुसार नदीगांव रोड बाबू पैलेस के पास बी-गार्ड कंपनी में काम करने वाला अमरजीत पुत्र सतीश निवासी मुहल्ला नारो भास्कर जालौन कूलर कंप्लेंट मिलने पर उपभोक्ता के यहां पर भेजा गया था जिस पर मैकेनिक विवेक की दुकान पर आया और वहीं पर कूलर सही कर दिया लेकिन विवेक संतुष्ट नहीं हुआ और बी गार्ड कंपनी से आए मैकेनिक से गाली गलौच करने लगा जिस पर मैकेनिक ने कहा कि मैने कम्पनी से आकर सही काम किया है जिससे विवेक उत्तेजित हो गया और मैकेनिक की मारपीट कर दी उक्त के सम्बन्ध में अमरजीत ने कोतवाली में एक प्रार्थना पत्र देकर आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कानूनी कार्यवाही की मांग की है।

कोंच से एक और नाबालिग को भगा ले गया शोहदा

(यंग भारत न्यूज)

कोंच नगर के एक मुहल्ला निवासी ने कोतवाली में एक प्रार्थनापत्र देकर बताया कि घटना दिनांक 2 जुलाई 2026 समय करीब 4 बजे की है जब मेरी नाबालिग पुत्री को ग्राम छोटी सोनी निवासी पुष्पेंद्र कुशवाहा पुत्र बलवीर तथा सुनील कुशवाहा एवं अज्ञात व्यक्ति बहला फुसलाकर भगा ले गए।शिकायतकर्ता ने बताया कि पुत्री अपने साथ घर में रखे 62 हजार 5 सौ रुपये नगद, सोने चांदी के जेबरात तथा मार्कशीट व आधार कार्ड साथ मे ले गयी।प्रार्थनापत्र में बताया कि पुत्री की काफी खोजबीन की लेकिन कोई पता नहीं चला।शिकायती पत्र में कहा कि मुझे डर है कि उक्त लोग नाबालिग पुत्री के साथ कोई अप्रिय घटना घटित न कर दें। उसने पुलिस को बताया कि जव मैने उनके घरबालों से कहा तो उन्होंने जाति सूचक गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी दी पीड़ित ने पुलिस से उक्त लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्यवाही की मांग की है।

अवैध तमंचे के साथ भ्रमण कर रहे अभियुक्त को थाना मटौंध पुलिस द्वारा किया गया गिरफ्तार

अभियुक्त के कब्जे से अवैध तमंचा व जिन्दा कारतूस बरामद

(यंग भारत न्यूज)

बांदा। विवरण- पुलिस अधीक्षक बांदा श्री पलाश बंसल के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण लगाये जाने तथा अवैध शस्त्रों के विरुद्ध की जा रही कार्यवाही के क्रम में थाना मटौंध पुलिस द्वारा अवैध तमंचे के साथ भ्रमण कर रहे अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया गया है, अभियुक्त के कब्जे से अवैध तमंचा व कारतूस बरामद हुआ है ।गौरतलब हो कि दिनांक 29/30.06.2026 की रात्रि थाना मटौंध पुलिस को रात्रि गश्त एवं संदिग्ध व्यक्तियों/वाहनों की चेकिंग दौरान दुरेड़ी बाइपास तिराहे के पास एक व्यक्ति संदिग्ध रुप से घूमता हुआ दिखाई दिया ।पुलिस द्वारा उससे पूछताछ करते हुए तलाशी ली गई तो उसके कब्जे से अवैध तमंचा व जिन्दा कारतूस बरामद हुए । जिसके सम्बन्ध में थाना मटौंध पर अभियोग पंजीकृत करते हुए अभियुक्त को गिरफ्तार कर सम्बन्धित मा0 न्यायालय भेजा गया ।

बरामदगी-

01 अवैध तमंचा 12 बोर

01 जिन्दा कारतूस 12 बोर

गिरफ्तार अभियुक्त-

1. बिन्देश्वरी पुत्र कलुवा निवासी दुरेडी थाना मटौंध जनपद बांदा ।

पंजीकृत अभियोग-

1- मु0अ0सं0- 128/26 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट थाना मटौंध जनपद बांदा ।

गिरफ्तारी करने वाली टीम-

1. श्री अरविन्द कुमार चौकी प्रभारी भूरागढ़
2. कां0 अनुज यादव
3. कां0 दिनेश यादव 4. रि0कां0 अमित प्रजापति

पेयजल समस्या को लेकर बैठक सम्पन्न

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। आज नगर निगम झाँसी में पेयजल व्यवस्था एवं जनसमस्याओं के समाधान को लेकर एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में लगभग 10 वार्डों के पार्षदगणों ने अपने-अपने वार्डों की पेयजल संबंधी समस्याओं, नई पेयजल पाइपलाइन बिछाने के कार्य तथा नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित कराने जैसे महत्वपूर्ण विषयों को प्रमुखता से अधिकारियों के समक्ष रखा।

इस अवसर पर अपर आयुक्त श्री राहुल जी, मुख्य अभियंता श्री राजवीर सिंह जी, जल निगम के अधिशासी अभियंता श्री मुकेश पाल जी, जल संस्थान के ए.ई. श्री जादौन जी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वार्डों में चल रहे पेयजल पाइपलाइन के कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराया जाए तथा जिन क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति बाधित है, वहाँ नियमित एवं निर्बाध जलापूर्ति सुनिश्चित की जाए। सभी पार्षदों द्वारा अपने-अपने वार्डों की जनसमस्याओं को विस्तारपूर्वक रखा गया। अधिकारियों ने सभी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र समाधान करने तथा पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ एवं व्यवस्थित बनाने का आश्वासन दिया। जनसेवा ही हमारा संकल्प है। प्रत्येक नागरिक तक स्वच्छ एवं नियमित पेयजल पहुँचे, यही हमारा सतत प्रयास रहेगा।

मालिक.मुद्रक, प्रकाशक, संपादक संजय श्रीवास्तव द्वारा सेलेक्ट ऑफसेट पता 17, सरकपुर सरैया, छठामील, बी०के०टी० लखनऊ उ0प्र0.226201, लखनऊ से मुद्रित एवं 20 कृष्णा नगर उरई जालौन से प्रकाशित प्रधान संपादक संजय श्रीवास्तव फोन न. +919415055318
(पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिमेदार सभी विवादों का न्याय क्षेत्र उरई जालौन न्यायालय के अधीन होगा। निदेशक अनिल शर्मा, प्रबंध संपादक इं० शिवम श्रीवास्तव RNI NO UPHIN/2011/39718